दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 225/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 30 मार्च 2023 भोपाल से प्रकाशित | dainiksandhyaprakash.in

रामनवमी का उत्साह | मुख्यमंत्री निवास पर हुआ कन्या भोज

भोपाल। प्रदेश में रामनवमी का महापर्व पूरी श्रद्धा और धूमधाम से मनाया जा रहा है। चित्रकूट ओरछा सहित प्रदेश के अन्य स्थानों में अलग-अलग मंदिरों में उत्साह से कार्यक्रम हो रहे हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह चौहान में आज प्रातः मुख्यमंत्री निवास पर कन्याओं के पूजन और कन्या भोज के साथ पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री श्री चौहान और श्रीमती साधना सिंह चौहान ने बालिकाओं को प्रसाद वितरण किया। मुख्यमंत्री निवास स्थित मंदिर में श्री चौहान ने भी भजन गाए। भजन प्रस्तुतियों के बाद आरती हुई। मुख्यमंत्री निवास पर राम नवमी पर भगवान राम की स्तुति में अनेक भजन गूंजे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह, अनेक अधिकारी- कर्मचारी और श्रद्धालु उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने समस्त प्रदेशवासियों को रामनवमी की बधाई दी।

भये प्रकट कृपाला...

अयोध्या में रामनवमी पर गुरुवार को दोपहर 12 बजे भगवान राम प्रकट हुए। इसी बीच कनक भवन, श्रीराम जन्मभूमि सहित 10 हजार से ज्यादा मंदिरों में मंगल गीत गूंजने लगे। कनक भवन में गुब्बारे फोड़े गए। पुष्प वर्षा की गई। जन्मभूमि दरबार सहित पूरे मंदिर को 50 क्विंटल फूलों से सजाया गया है। सजावट के लिए हरी पत्तियां असम-ओडिशा से मंगवाई हैं। गेंदा फूल कोलकाता जबकि ऑर्किड कनाडा से मंगाए गए हैं। 10 हजार मंदिरों में देशभर से करीब 25 लाख श्रद्धालु पहुंचे हैं। अस्थायी मंदिर में विराजमान रामलला की रामनवमी पर पहली तस्वीरें सामने आईं। इसमें रामलला पीले वस्त्र, सोने का मुकुट और हार पहनाया गया है। अस्थायी राम मंदिर में यह आखिरी जन्मोत्सव है। अगले साल यानी 2024 की रामनवमी से पहले रामलला नए मंदिर में विराजमान हो जाएंगे। श्रीराम का मंदिर 1800 करोड़ रुपए से बन रहा है। जन्मभूमि के अलावा, कनक भवन, श्रीरामवल्लभाकुंज, लक्ष्मण किला और हनुमत निवास समेत रामनगरी के 10 हजार मंदिरों में मंगल ध्वनि गूंज रही है।

बहनों और बेटियों से मुख्यमंत्री का संवाद
समाज बेटियों के बिना विकास नहीं कर सकता

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज रामनवमी, नवरात्रि के अवसर पर जनजातीय संग्रहालय के प्रांगण में महिला सरपंच, खिलाड़ी, पुलिस अधिकारी, चिकित्सक, स्व सहायता समूह की दीदी और छात्रा से महिला सशक्तिकरण के विभिन्न आयामों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि समाज बेटियों के बिना विकास नहीं कर सकता।

श्री चौहान ने बहनों और बेटियों को शक्ति पर्व, नवरात्रि पर्व और रामनवमी की बधाई दी और प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के लिए उठाए गए कदमों के प्रभाव और उन निर्णयों की पृष्ठभूमि से अवगत करवाया। यह चर्चा सत्र लगभग 1 घंटे तक चला जिसमें बहनों और बेटियों ने सवालों के माध्यम से मुख्यमंत्री श्री चौहान से महिला कल्याण से जुड़ी जिज्ञासाओं का जवाब प्राप्त किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बहनों से मिलकर आज प्रसन्न हूं। आज सरपंच, खिलाड़ी, पुलिस अधिकारी ,डॉक्टर, लाडली लक्ष्मी बेटी और विद्यार्थी वर्ग से बातचीत हो रही है। बेटियों और बहनों के सशक्तिकरण के लिए मध्यप्रदेश में विभिन्न योजनाएं

लागू की गई हैं। इन योजनाओं के क्रियान्वयन से समाज को यह संदेश मिलता है कि बेटियां कितनी महत्वपूर्ण हैं। जहां स्थानीय निकायों में 50 प्रतिशत से अधिक स्थानों पर बहनें आई हैं वहीं पुलिस में उनकी भर्ती से महिला सशक्तिकरण का कार्य आसान हो रहा है।शिक्षकों के पदों पर भी वे बेहतर ढंग से कर्तव्य को निभा रही हैं। बहनों के स्व सहायता समूह अच्छा कार्य कर रहे हैं। खाद्य प्रसंस्करण का कार्य हो रहा है।

धान और गेहूं की प्रोसेसिंग के क्षेत्र में भी आगे आ रही हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बहनों को अक्सर कुछ परिस्थितियों में अवकाश की आवश्यकता होती है। अतिरिक्त 7 दिन के अवकाश का प्रावधान किया गया। हमारा कर्तव्य है कि ऐसी व्यवस्था हो जिससे बहनों को विवश और लाचार ना होना पड़े वे अबला नहीं सबला बने। यह समाज माताओं और बहनों का ऋणी है। वे सृष्टि का निर्माण करती हैं।उनका ऋण ऐसी योजनाओं के क्रियान्वयन से उतार सकते हैं।

आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अफसरों पर सख्ती

- **केंद्र ने कहा- छह महीने की सैलरी से ज्यादा कहीं निवेश किया हो तो बताएं**

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देशभर के आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अफसरों को लेकर बड़ा आदेश जारी किया है। सरकार ने ऐसे सभी अफसरों से जानकारी मांगी है जिन्होंने अपने छह महीने के मूल वेतन से अधिक शेयर, स्टॉक या कहीं अन्य निवेश किया है। कार्मिक मंत्रालय ने इसको लेकर जानकारी तलब की है। यह सूचना एआईएस या अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम, 1968 के नियम 16 (4) के तहत उनके द्वारा साझा की जाने वाली समान जानकारी के अतिरिक्त है। ये नियम तीन अखिल भारतीय सेवाओं जिसमें भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और भारतीय वन सेवा के सदस्यों पर लागू होते हैं।

कार्मिक मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में लिखा गया है, अखिल भारतीय सेवाओं (एआईएस) के सदस्यों के संबंध में किसी भी स्टॉक, शेयर या अन्य निवेश आदि में लेन-देन पर नजर रखने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को सक्षम करने की दृष्टि से, यह निर्णय लिया गया है। सभी केंद्र सरकार के सचिवों को जारी आदेश में कहा गया है कि स्टॉक, शेयर या अन्य निवेश आदि में कुल लेनदेन एक वर्ष के दौरान सरकारी कर्मचारी के छह महीने के मूल वेतन से अधिक होने पर प्रत्येक वर्ष निर्धारित प्राधिकारी को संलग्न प्रोफार्मा में जानकारी दें। इसमें आचरण नियमों के नियम 14 (1) का उल्लेख किया गया है, जो कहता है कि सेवा का कोई भी सदस्य किसी स्टॉक, शेयर या अन्य निवेशों में सट्टा नहीं लगाएगा, लेकिन यह प्रावधान स्टॉक-दलालों या अन्य अधिकृत व्यक्तियों के माध्यम से किए गए सामयिक निवेश पर लागू नहीं होगा।

दुर्लभ बीमारी में व्यक्तिगत इस्तेमाल के लिए विदेश से दवा बुलाने पर नहीं लगेगी कस्टम ड्यूटी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ऐसे मरीजों के लिए बड़ी राहत दी है जो दुर्लभ बीमारी से ग्रस्त हैं और उनके इलाज के लिए विदेश से महंगी दवाएं मंगाई जा रही हैं। आदेश के मुताबिक, ऐसी मरीजों के व्यक्तिगत इस्तेमाल के लिए विदेश के लाई जाने वाली दवाओं पर कोई कस्टम ड्यूटी (सीमा शुल्क) नहीं लगेगा।

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय नीति 2021 में सूचीबद्ध सभी दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए व्यक्तिगत उपयोग के लिए विदेश से मंगाई जाने वाली सभी दवाओं और पर बुनियादी सीमा शुल्क से पूर्ण छूट दी है। यही नियम विशेष चिकित्सा उद्देश्यों के लिए मंगाए जाने वाले खाद्य पदार्थों पर भी लागू होगा। वित्त मंत्रालय के मुताबिक, इस छूट का लाभ उठाने के लिए मरीज के परिजन को केंद्रीय या राज्य स्वास्थ्य सेवा निदेशक या जिले के जिला चिकित्सा अधिकारी/सिविल सर्जन से एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। बता दें, ऐसी दवाओं पर आम तौर पर 10त्न का सीमा शुल्क लगाया जाता है। जीवन रक्षक दवाओं/टीकों की कुछ श्रेणियों पर 5त्न या शून्य की रियायती दर लगती है।

महादेव मंदिर पर बावड़ी की छत धंसी, 25 से ज्यादा लोग बावड़ी में गिरे

इंदौर। रामनवमी पर बड़ा हादसा हो गया। यहां श्री बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर पर बावड़ी की छत धंसने से 25 से अधिक लोग गिर गए। लोगों को बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने सूचना के तत्काल बाद रेस्क्यू शुरू कर दिया। बावड़ी के अंदर कितना पानी है, ये अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। यह भी पता नहीं चल सका कि बावड़ी में कितने लोग फंसे हुए हैं। जानकारी के मुताबिक स्नेह नगर के पास पटेल नगर में मंदिर में रामनवमी पर हवन चल रहा था। यहां श्रद्धालु बावड़ी की छत पर बैठे हुए थे। इसी दौरान छत धंस गई। घटनास्थल पर कलेक्टर, पुलिस कमिश्नर सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी पहुंच चुके हैं। इंदौर मेयर पुष्यमित्र भार्गव सहित तमाम एमआईसी सदस्य मीटिंग छोड़कर घटनास्थल पहुंच रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने दिए रेस्क्यू आपरेशन तेज करने के निर्देश- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर में बेलेश्वर महादेव मंदिर स्थित बावड़ी में कुछ श्रद्धालुओं की फंसे होने की घटना का संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर कलेक्टर इंदौर कमिश्नर से फोन पर चर्चा कर रेस्क्यू ऑपरेशन को तेज करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय, इंदौर जिला प्रशासन से निरंतर संपर्क में है।

रामनवमी पर महाराष्ट्र के संभाजीनगर में हिंसा

मुम्बई। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर (पुराना नाम औरंगाबाद) के किराडपुरा इलाके में बुधवार रात दो गुटों के बीच झड़प हो गई। लोगों ने एक-दूसरे पर पथराव किया। धार्मिक स्थल के बाहर कई वाहनों में आग लगा दी। पुलिस जब हालात पर काबू पाने के लिए पहुंची तो भीड़ ने पथराव किया। पुलिस की गाड़ियों में आग लगा दी। इस हमले में 2 पुलिसकर्मियों समेत पांच से छह लोग घायल हो गए। हिंसा रात 11.30 बजे शुरू हुई और तड़के 3.30 बजे तक जारी रही। उधर, छत्रपति संभाजीनगर के सांसद इम्तियाज जलील ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यहां झड़प शराबियों के दो गुटों में हुई। इन्होंने ही पत्थरबाजी की। राम मंदिर को कोई नुकसान नहीं हुआ। मंदिर में कोई नहीं गया। इसलिए नागरिकों को अफवाहों पर विश्वास नहीं करना चाहिए।

विदिशा में कुएं में गिरने से 4 की मौत

विदिशा। जिले के गंजबासौदा में बड़ा हादसा हो गया। यहां कुएं में एक बच्चे के गिरने के बाद उसे निकालने के लिए पहुंचे लोगों की वजह से कुआं धंस गया। कई लोग अंदर गिर गए। 20 लोगों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया था। 4 लोगों के शव भी कुएं से निकाले गए थे।

राहुल की बर्खास्तगी पर अमेरिका के बाद जर्मनी की प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। राहुल गांधी की संसद की सदस्यता जाने के बाद से न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया भर से प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। अमेरिका के बाद अब जर्मनी ने भी इस पूरे मामले पर नजर बनाए रखने की बात कही है। राहुल को संसद से बर्खास्त किए जाने पर जर्मनी ने चिंता जाहिर की है।

जर्मनी के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा है कि राहुल गांधी के मामले की जांच निष्पक्षता से होनी चाहिए। हमें उम्मीद है कि कोर्ट उनकी सदस्यता जाने के मामले की सुनवाई मौलिक और लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्यान में रखकर करेगी। जर्मनी की विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता के बयान को वहां के सरकारी टीवी चैनल डॉयचे वेले पर दिखाया गया।इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारी जानकारी के

मुताबिक राहुल गांधी अभी ऐसी परिस्थिति में हैं कि वो कोर्ट में अपील कर सकते हैं। कोर्ट के फैसले के बाद ही ये पता चल सकेगा कि उनको जिस आधार पर बर्खास्त किया गया वो ठीक है या गलत।

नियमों के तहत रद्द नहीं हुई राहुल की संसद सदस्यता: आचार्य

लोकसभा के महासचिव रहे पीडीटी आचार्य राहुल की बर्खास्तगी के फैसले को सही नहीं मानते। उनसे पूछा गया कि राहुल गांधी की सजा जज ने ही 30 दिन के लिए सस्पेंड रखी है। उन्हें हाईकोर्ट में अपील का वक्त दिया गया था, ऐसे में सदस्यता रद्द करने की जल्दबाजी क्या सही है? इस पर उनका कहना था कि ये फैसला मुझे भी सही नहीं लगा। दोष साबित होने से ही संसद सदस्य को अयोग्य नहीं ठहराया जाता है। दोषसिद्धि के साथ 2 साल या उससे ज्यादा सजा हो, तभी सदस्यता जाती है। जज ने सजा को 30 दिन के लिए सस्पेंड कर दिया, तो अयोग्य करार दिए जाने का कोई मतलब ही नहीं था। कानून के नजरिए से इस फैसले में खामियां दिखाई देती हैं।

सरकार को सड़क पर घेरने विपक्ष का ब्लू प्रिंट तैयार

राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता जाने के बाद सियासी घटनाक्रम तेजी से बदल गया है। इस बदलाव में उन क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़े होने का फैसला किया है, जो उससे दूरी बनाकर चल रहे थे। इसे आगे आम चुनाव के गठबंधन में तब्दील करने पर सहमति हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निवास पर डिनर मीटिंग हुई थी, जिसमें यह साफ हो गया था कि ममता बनर्जी की टीएमसी, तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव की बीआरएस और अरविंद केजरीवाल की आप ने कांग्रेस को भाजपा विरोध के केंद्र में रखने का मन बना लिया है। विपक्षी दलों ने सरकार को सड़क पर घेरने का 100 दिन का ब्लू प्रिंट भी बनाया है। बैठक में शामिल कांग्रेस नेताओं के अनुसार सुखद संकेत ये है कि विपक्षी एकजुटता की वकालत करने और भाजपा से लड़ाई के लिए मिलजुल कर चलने की दुहाई उन दलों के नेताओं ने दी, जो अभी तक अकेले मोदी सरकार से निपटने की बात कर रहे थे।

18 दलों में इस बात पर सहमति बनी कि मौजूदा हालात में यह अस्तित्व की लड़ाई बन गई है। तृणमूल ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी की मांग से खुद को अलग रखे हुए थी, लेकिन उसने रुख बदल लिया है। एक तृणमूल सांसद ने स्पष्ट किया कि हम जेपीसी के खिलाफ नहीं थे। अब तक बनी 14 जेपीसीका खास नतीजा नहीं निकला। बैठक में तय हुआ कि राज्यों में राजनीतिक हितों के टकराव को हल करने के लिए प्रमुख लीडरों की कमेटी बनेगी, जो सीटों के औपचारिक और टेक्टिकल तालमेल का फार्मूला तय करेगी।

लंबे विरोध के बाद इस्राइल में रुका न्यायिक सुधार

लगातार जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को अपने 'न्यायिक सुधार कानून' को फिलहाल वापस ले लिया है।

कानून को 'अस्थायी रूप से' वापस लेते हुए नेतन्याहू ने सोमवार को कहा कि अपने विरोधियों को 'संवाद का वास्तविक मौका' दे रहे हैं। देश में सुप्रीम कोर्ट के अधिकारों को नियंत्रित करने वाले कानून के खिलाफ लगभग तीन महीने से इस कानून के खिलाफ प्रदर्शन जारी है। मार्च के शुरुआत में देश की सेना के भीतर भी विरोध देखने को मिला था।

विवादास्पद न्यायिक कानून सुधारों को लेकर लोगों की नाराजगी झेल रहे इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को घोषणा करते हुए कानूनों को अस्थायी रूप से रोक दिया। सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल ओत्जमा येहुदित ने बताया है कि इन कानूनों को टालने को लेकर पीएम नेतन्याहू ने अपनी सहमति दे दी है।

भोपाल। न्यू मार्केट स्थित श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर में मंदिर समिति एवं न्यू मार्केट व्यापारी संघ के तत्वावधान में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया गया। जन्म के समय आरती का आयोजन किया गया। मंदिर में दीपों से सज्जा की गई, जो बहुत ही आकर्षक थी।

रक्षा मंत्रालय द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

भारत के राष्ट्रीय महत्व का एक संस्थान है राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय

भोपाल। रक्षा मंत्रालय द्वारा भोपाल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन श्यामला हिल स्थित अशोक लेक व्यू होटल में किया गया। इस कार्यक्रम को विद्यालय के उप कुलपति डा आनंद त्रिपाठी ने संबोधित किया । जिसमें उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2009 में में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से गुजरात के गांधीनगर से की गई थी। उसके बाद चाइना बॉर्डर पर पासीघाट अरुणाचल प्रदेश जिला सत्र न्यायालय के पास, गुमिन नगेट पासीघाट, में कीगई। तीसरा कर्नाटक के पुंडचेरी में की गई। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में भी चल रहा है । पुलिस विज्ञान और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा दिव्यांग/पुरुषों के लिए साइबर सुरक्षा में स्वास्थ्य प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के पाध्यक्रम उपलब्ध है। साथ ही यहां पर क्राईम और सुरक्षा के साथ लॉ एलएलएम कराया जाता है। पत्रकार का कोर्स भी सुरक्षा और साइबर पर कराया जा रहा है। यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर 60 प्रतिशत शासकीय और अर्ध शासकीय सेवाओं में कार्यरत हैं। राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय की स्थापना से अभी तक 11800 प्रशिक्षण ले चुके हैं।

राष्ट्रीय महत्व की योजना राष्ट्रीय सुरक्षा और पुलिस विश्वविद्यालय भारत का वैश्विक पता शिक्षा राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय भारत के राष्ट्रीय महत्व का एक संस्थान, अग्रणी राष्ट्रीय सुरक्षा और भारतीय विश्वविद्यालय, गृह मंत्रालय भारत सरकार भारत की संसद द्वारा स्थापित किया गया है । विश्वविद्यालय शांति के भारत के दृष्टिकोण में योगदान देता है। समान विचारधारा वाले राष्ट्रों के बीच भव्य रणनीतिक के साथ समृद्ध और स्थिर दुनिया और राष्ट्र के कारण को बढ़ावा देने के लिए वरिष्ठ सुरक्षा पुलिस अधिकारियों, राजनयिकों और नागरिकों के बीच अधिक समझ को बढ़ावा देना है। सामरिक पुलिस और अन्य सुरक्षा क्षेत्रों और संस्थागत बलों और संस्थानों के साथ विश्वविद्यालय की भागीदारी विकसित हो रही है और धीरे-धीरे एक निशान बना रही है। यदि सभी स्तरों पर इन संस्थानों की सहायता और सलाह के लिए संसाधन केंद्र बनने की इच्छा रखते हैं और सबसे अधिक मांग की जाती है। यह रणनीतिक और सुरक्षा और पुलिस बलों, संस्थानों, संकायों, शोधकर्ताओं, अनुसंधान केंद्रों और एसआई के बीच रणनीतिक जुड़ाव की परिकल्पना करता है। उप कुलपति डा आनंद त्रिपाठी ने बताया कि ये संस्थान भारत के भीतर और बाहर रणनीतिक सुरक्षा और पुलिस संस्कृति और विकास में योगदान करते हैं

कर्मचारियों के जमा पैसे में हुए नुकसान की भरपाई करे केंद्र सरकार

कर्मचारी मंच ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा

भोपाल। कर्मचारियों और पेंशनरों को 87000 करोड रुपए के हुए नुकसान की भरपाई भारत सरकार सीधे कर्मचारियों और पेंशनरों के खाते में जमा करके करें क्योंकि एनएसडीएल एवं ईपीएफओ द्वारा शेयर बाजार में पैसा लगाकर कर्मचारियों एवं पेंशनरों के जमा पूंजी में 87 हजार करोड़ का नुकसान किया है और कर्मचारियों की जमा पूंजी एवं संवैधानिक पेंशन एवं पेंशन पर मिलने वाला ब्याज का भुगतान एन एस डी एल कंपनी एवं ईपीएफओ नहीं कर रहा है कर्मचारियों एवं पेंशनरों को यह नुकसान शेयर बाजार में आई भारी गिरावट के कारण हुआ है।

कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि भारत सरकार ने कर्मचारी एवं पेंशनरों को बाजारवाद के नाम पर एन एस डी एल कंपनी एवं ईपीएफओ के माध्यम से भारी नुकसान पहुंचाया है संविधान में दिए गए प्रावधान के अनुसार सरकार को कर्मचारियों एवं पेंशनरों से सरोकार का संबंध रखना चाहिए लेकिन सरकार कर्मचारी एवं पेंशनरों के साथ व्यापार का संबंध रख रही है सरकार कर्मचारियों के खून पसीने की कमाई से जमा पैसे से व्यापार कर रही है कर्मचारियों का पैसा सट्टा बाजार में लगा रही है कर्मचारियों के एनपीएस योजना के तहत काटे गए पैसे को एनएसडीएल कंपनी ने शेयर बाजार में लगाकर कर्मचारियों को 50,000 करोड़ का घाटा पहुंचाया है वही ईपीएफओ (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन) ने व्यापारिक समूह को कर्मचारियों एवं पेंशनरों का जमा 37000 करोड़ रुपए देकर यह नुकसान पहुंचाया और इस घाटे की भरपाई करने के लिए ना तो एन एस डी एल कंपनी तैयार है और ना ही ईपीएफओ कर रही है पूरे नुकसान की भरपाई दोनों कंपनियों ने कर्मचारियों के वेतन एवं पेंशन से करने का निर्णय लिया है एनएसडीएल कंपनी पहले ही निर्णय ले चुकी है कि शेयर बाजार में लगाए गए पैसे से जो 50000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है उसकी भरपाई कर्मचारियों के जमा पैसे से की जाएगी वही ईपीएफओ की माह मार्च में हुई बैठक में निर्णय लिया है जो 37000 करोड रुपए का नुकसान जमा पैसे को बाजार में लगाने से हुआ है उसकी भरपाई पेंशनरों के पेंशन में मिलने वाले ब्याज में कटौती करके की जाएगी जबकि यह पैसा ईपीएफओ ने बाजार को बिना ट्रस्टीयो की सहमति एवं नियमों के विपरीत दिया था बाजारवाद में हुए इस घाटे के कारण कर्मचारी एवं पेंशनर को भूखों मरने की नौबत आ गई है उसका भविष्य अंधकार में चला गया है इसलिए केंद्र सरकार 87000 करोड रुपए के हुए घाटे की भरपाई करें उसका भुगतान सीधे कर्मचारियों में पेंशनरों के खाते में करें और भारत सरकार तत्काल कर्मचारियों के लिएओपीएस पुरानी पेंशन योजना लागू करें अभी कर्मचारियों को इस तरह जोखिम पूर्ण भविष्य का जीवन व्यतीत करना पड़ रहा है उसका भविष्य सुरक्षित नहीं है ओ पी एस लागू करके कर्मचारियों का भविष्य एवं उनकी जमा पूंजी तथा पेंशन को सुरक्षित करने का काम सरकार तत्काल करें कर्मचारी मंच ने भारत के प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर मांग करी है कि भारत के प्रधानमंत्री भारत के संविधान में दिए गए प्रावधान के अनुसार सरोकार धर्म का पालन करें और कर्मचारियों एवं पेंशनरों के जमा पूंजी में हुए नुकसान की भरपाई सीधे कर्मचारियों और पेंशनरों के खाते में जमा करके करें तथा ओ पी एस लागू करके एनएसडीएल कंपनी को समाप्त करें तथा ईपीएफओ को बाजार में पैसा लगाने के लिए प्रतिबंधित करने के आदेश जारी करें इस मांग पत्र की एक प्रति मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी भेजी गई है।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के गौरव हैं : अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के संचालक योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि रामनवमी के पावन पर्व पर योग साधकों द्वारा सामूहिक योग साधना करते हुए सभी के लिये स्वस्थ जीवन की कामना की गई । श्री राम आस्था से ज्यादा अनुकरण का विषय हैं । समुद्र की भांति स्थिर, धीर, वीर और गंभीर स्वभाव में रत रहने वाले मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के गौरव हैं। योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि चिन्ता का कारण है परमेश्वर की महत्ता, सर्वज्ञता, सर्वशक्तिमत्ता और सर्वव्यापकता तथा दयालुता पर परम विश्वास का अभाव। यद्यपि हमें यह सब कह दिया गया है, पर हम इसे जानते भर हैं, मानते नहीं। यह राम कौन है? वही जो इस शरीर में रमा है। माइक्रोस्कोप से वह नहीं दिखता। दिव्य-दृष्टि से देखो, जो सुमिरन से हृदय में प्रकट होता है। जैसे भूतादि सिद्धियों से गुप्त धन दीख पड़ता है, वैसे ही रमे हुए राम के दर्शन हो जाने पर ही छिपा खजाना खुलता है।

शाओमी इंडिया और वी ने अपने उपभोक्ताओं को 5 जी का अनुभव प्रदान करने के लिए एक दूसरे के साथ की साझेदारी

18, 5 जी इनेबल्ड शाओमी एवं रैडमी स्मार्टफोन्स की व्यापक रेंज को सफलतापूर्वक टेस्ट किया गया और लॉन्च के बाद वी 5 जी नेटवर्क पर इन्हें सपोर्ट मिलेगा

मुंबई- देश के जाने-माने स्मार्टफोन ब्राण्ड शाओमी इंडिया ने उपभोक्ताओं को 5 जी का सहज अनुभव प्रदान करने के लिए वोडाफोन आइडिया (वी) के साथ साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के चलते ऑपरेटर द्वारा सेवाओं का लॉन्च किए जाने के बाद शाओमी और रैडमी के स्मार्टफोन यूज़र्स वी 5 जी पर डेटा का बेहतर अनुभव पा सकेंगे। शाओमी और रैडमी पोर्टफोलियो की 18 डिवाइसेज़ की व्यापक रेंज को वी 5 जी पर सफलतापूर्वक टेस्ट किया गया है, जो थ्व्ज। अपडेट्स के बाद नेटवर्क को सपोर्ट करेंगी। वी द्वारा 5 जी नेटवर्क के कमर्शियल लॉन्च के बाद उपभोक्ताओं को अपनी प्रेफर्ड नेटवर्क सेटिंग को 4 जी से बदलकर 5 जी करना होगा।

इनेबल्ड डिवाइसेज़ में शाओमी 13 प्रो, रैडमी नोट 12 प्रो 5 जी, रैडमी नोट 12 प्रो प्लस 5 जी, रैड मी नोट 12 5 जी, शाओमी 12 प्रो, एमआई 11 अल्ट्रा, एमआई 11 एक्स प्रो, शाओमी 11 टी प्रो 5 जी, शाओमी 11 लाईन एनई 5 जी, रैडमी 11 प्राइम 5 जी, रैडमी के50 आई, रैडमी नोट 11 टी 5 जी, रैडमी नोट 11 प्रो 5 जी, एमआई 11 एक्स, एमआई 10, एमआई 10 टी, एमआई 10 टी प्रो और एमआई 10 आई।

आने वाले कल को कनेक्टेड बनाने और भारत में 5 जी की क्षमताओं का लाभ उठाने के लिए शाओमी और वी ने अनफिल्टर्ड 5 जी नेटवर्क के साथ अपने उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने के लिए एक दूसरे के साथ हाथ मिलाया है। शाओमी इंडिया और वी ने नई दिल्ली में शाओमी और रैडमी5 जी डिवाइसेज़ पर नेटवर्क की व्यापक टेस्टिंग की है।

सैनिक की तरह देश से प्रेम कर राष्ट्रीय हित में योगदान दें: सिद्ध भाऊ

एयर कमाण्डर ने छात्राओं को रक्षा सेवा में जाने के लिए बताई महत्वपूर्ण बातें

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में संस्था के अध्यक्ष संत सिद्ध भाऊ की उपस्थिति में रक्षा परीक्षा पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं को संयुक्त सुरक्षा बल में उपलब्ध रोजगार के अवसरों को प्रभावी ढंग से बताना था। छात्राओं को तीनों सुरक्षा बलों में भविष्य निर्माण हेतु प्रेरित करने का यह एक संयुक्त प्रयास था।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय नौसेना के कैप्टन वैष्णव ए.एस. चैहान, कमाण्डर राहुल बागुल एवं कमाण्डर आफताब अहमद खान, भारतीय थल सेना के ब्रिगेडियर अरूपेन्दु गुप्ता, लेफ्टिनेंट कर्नल के.डी. सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल एम.के. सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल जी.वी. रेड्डी एवं कर्नल संतोष कुमार भारतीय वायु सेना के एयर कमांडर अनुज गुप्ता, विंग कमांडर ए.के. सारस्वत, विंग कमांडर डी.के. यादव एवं कॉपोरल विक्रांत कुमार, कर्नल एन. पारवानी, संस्था के उपाध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी, डॉ. डालिमा पारवानी, डॉ. आशीष ठाकुर सहित प्राध्यापिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं।

संत सिद्ध भाऊ ने कहा कि भारतीय सेनाओं में उपलब्ध रोजगार के अवसरों का लाभ लें। एक सैनिक की तरह देश से प्रेम कर राष्ट्रीय हित में योगदान दें। ज्ञान में अपार शक्ति है। शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहें। एयर कमाण्डर अनुज गुप्ता ने कहा कि अपने देश के इतिहास का अध्ययन अवश्य करें। अपनी ताकत को पहचानें। अग्निवीर योजना का लाभ लें। कठिन परिश्रम करें। समय का सद्उपयोग कर समय प्रबंधन सीखें। किसी भी कार्य को सुनियोजित ढंग से करने पर सफलता निश्चित है। योजना बनाकर कार्य करें। खेलों को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनायें। आत्मनिर्भर बनें। ज्ञान अर्जित करें। अपने जीवन का सम्पूर्ण आनंद लें। रूचि विकसित करें। ज्ञान अर्जित करें। शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें। समसामयिकी के प्रति जागरूकता लाएं। भारतीय परिवार व्यवस्था विशेषकर संयुक्त परिवार सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने छात्राओं को रक्षा सेवा में जाने के लिए महत्वपूर्ण बातों को भी सविस्तार बताया। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय, भोपाल छात्राओं को भारतीय नौसेना, भारतीय थल सेना एवं भारतीय वायु सेना में उपलब्ध रोजगार के अवसरों को अग्निवीर के विशेष संदर्भ में सविस्तार बताया गया।

आप ने मप्र में शुरू किया मोदी हटाओ- देश बचाओ पोस्टर अभियान

भोपाल। आम आदमी पार्टी ने मोदी सरकार को तानाशाह बताते हुए सरकार की तानाशाही के खिलाफ मोर्चा खोलने का ऐलान प्रदेश की राजधानी से गांधी भवन में स्थित प्रेस वार्ता आयोजित कर किया। प्रेस वार्ता के माध्यम से आम आदमी पार्टी की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष सिंगरौली महापौर रानी अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री रोहित गुप्ता, प्रदेश सचिव अमित भटनागर ने सरकार पर सरकार की तानाशाही पर जोरदार हमला किया। प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल ने कहा कि दिल्ली के अंदर मोदी हटाओ, देश बचाओ के पोस्टर मात्र से मोदी सरकार थर्रा गई अंग्रेजों के राज में भी कभी एक पोस्टर और एक पर्चे के लिए 138 एफआईआर नहीं हुई थी। आप प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल ने सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि देखते हैं कि तुम्हारी एफआईआर, पुलिस और जेल में कितनी ताकत है, आज से आम आदमी पार्टी प्रदेश के कोने-कोने में मोदी हटाओ, देश बचाओ का पोस्टर लगाने जा रही है। जब चप्पे-चप्पे पर मोदी हटाओ, देश बचाओ के पोस्टर लगेंगे, जेलें भर जाएगी पर मां भारती को बचाने के लिए सीना और हाथ कम नहीं होंगे। आप प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार पर सवाल खड़ा किया कि जहां-जहां प्रधानमंत्री मोदी गए, वहां-वहां अडानी का साम्राज्य विकसित करते रहे, जब तक देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रहेंगे, क्या मोदी जी अडानी की जांच करा सकते हैं?

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आप के प्रदेश महासचिव रोहित गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि आजादी की लड़ाई में हमारे शहीद हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूम रहे थे। उनका सपना था कि जिस दिन हमारा देश आजाद होगा, अशिक्षा दूर होगी और भारत एक शिक्षित राष्ट्र बनेगा। देश के लोग इलाज के लिए नहीं भटकेंगे, नौजवानों को रोजगार मिलेगा, किसानों को फसल का दाम मिलेगा। मोदी के रहने यह सपना पूरा नहीं हो सकता। जब अंग्रेजों की हुकूमत थी, उस समय कोई पर्चा नहीं बांट सकता था, पेपर नहीं निकाल सकता था। भारत की आजादी के वीरों की आवाज को कुचलने के लिए उसी समय अंग्रेजों ने कानून बनाएं, आज फिर उस कानून का सहारा लेकर देश की आवाज को कुचला जा रहा है।

प्रदेश सचिव किमान नेता अमित भटनागर ने कहा कि आज देश के संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, विपक्ष की आवाज को कुचलने के लिए फर्जी मुकदमों में फंसाने की कोशिश की जा रही है। देश के किसानों के ऊपर जवरदस्ती तीन काले कानून लगाए गए, किसानों ने एक साल आंदोलन किया, सरकार ने उनसे वादा किया कि देश में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानून का दर्जा देंगे, मगर ऐसा नहीं हुआ, देश के छात्रों की आवाज को देशद्रोही आतंकवादी कहकर कुचला जा रहा है। देश में मजदूर दयनीय जिंदगी जीने को मजबूर हैं। अमित ने कहा कि भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने असेंबली में बम इसलिए फेंका था कि मजदूरों के खिलाफ सेफ्टी बिल लाया जा रहा था। आज मजदूरों के सारे कानून और अधिकारों को खत्म कर केवल चार कानून में समेट दिया है।

31 मार्च को भोपाल के भेल दशहरा मैदान में आयोजित होगा सिंधी समाज का महाकुंभ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत होंगे शामिल

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में भारतीय सिंधू सभा एवं समस्त सिंधी समाज के तत्वावधान में 31 मार्च को भेल दशहरा मैदान में अमर शहीद हेमू कालानी के जन्मशताब्दी वर्ष का समापन समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान शिरकत कर रहे है। इसके अलावा इस समारोह में शामिल होने के लिए हिंदुस्तान से ही नहीं अपितु देश विदेश से भी लगभग एक लाख से भी अधिक सिंधी भाषी लोग राजधानी भोपाल पहुँच रहे है। इस जन्मशताब्दी वर्ष समापन समारोह के संयोजक व भारतीय जनता पार्टी के संगठन महामंत्री भगवानदास ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुये बताया कि पूरे देश में रहने वाले सिंधी समाज के लिये यह गर्व की बात है कि जो 31 मार्च को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की उपस्थिति में भारतीय सिंधु सभा द्वारा अमर शहीद बलिदानी हेमू कालानी के जन्मशताब्दी वर्ष का समापन समारोह का भव्य आयोजन राजधानी भोपाल में होने जा रहा है। इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन की सभी तैयारियाँ पूर्ण की जा चुकी है।

इस समारोह में देश भर से सिन्धी समाज के संतजन को भी आशीर्वाद देने हेतु उपस्थित हो रहे है जिसमें सर्वप्रथम महामण्डलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन (भीलवाड़ा) अखिल भारत सिन्धु सन्त समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष साईं खिम्यादास (सतना) महामंत्री साईं हँसदास (रीवा) शदाणी दरबार के गद्दीनशीन साईं युधिष्ठिरलाल (रायपुर) वसणशाह दरबार कल्याण से साईं कालीराम, साईं डॉ. सन्तोषदास (अमरावती) सन्त कंवरराम आश्रम के गद्दीनशीन साईं राजेश लाल (अमरावती) प्राचीन श्री झूलेलाल मन्दिर भरूच से ठकुर मनीषलाल, शिव शांति आश्रम लखनऊ से साईं मोहनलाल प्रमुख हैं। इसके अलावा संत युधिष्ठिर लाल की अगुवाई में सिंध पाकिस्तान से आया 325 लोगों का जत्था भी समारोह में शामिल हो रहा है। समारोह में विशेष रूप से महेश जेठमलानी राज्यसभा सदस्य, शंकर लालवानी सांसद, डॉ. सुरेश आड़वानी पदम भूषण भी शामिल होने आ रहे है।

प्रधानमंत्री के भोपाल आगमन के संबंध में निगम आयुक्त ने किया निरीक्षण

विभिन्न मार्गों की मरम्मत, डामरीकरण, रंगाई-पुताई एवं साफ-सफाई के दिये निर्देश

भोपाल । प्रधानमंत्री एवं अतिविशिष्ट अतिथियों के भोपाल आगमन के संबंध में निगम आयुक्त श्री के.वी.एस.चैधरी ने निगम अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थलों, विभिन्न मार्गों का निरीक्षण किया और मार्गों की मरम्मत, डामरीकरण, रंगाई-पुताई एवं साफ सफाई सहित अन्य कार्यों के संबंध में निगम अधिकारियों को निर्देश दिये। निगम आयुक्त के.वी.एस. चौधरी ने प्रधानमंत्री एवं अतिविशिष्ट अतिथियों के भोपाल आगमन एवं भोपाल में विभिन्न स्थानों पर प्रस्तावित कार्यक्रम स्थलों तथा विभिन्न मार्गों पर बेहतर व्यवस्थाओं के संबंध में बुधवार को निगम अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। निगम आयुक्त ने रानी कमलापति स्टेशन मुख्य मार्ग, सावरकर सेतु, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, ज्ञान विज्ञान भवन आदि क्षेत्रों के मार्गों, फुटपाथों, सेन्ट्रल वर्ज, बी.आर.टी.एस. कॉरीडोर आदि का निरीक्षण किया और सड़कों की मरम्मत/डामरीकरण शीघ्रता से कराने, रानी कमलापति रेल्वे स्टेशन के प्रवेश द्वार एवं मुख्य मार्ग पर डामरीकरण कराने, रेलिंग्स की बेहतर साफ-सफाई, पुताई एवं सौन्दर्यीकरण कार्य कराने के निर्देश दिये। निगम आयुक्त श्री चैधरी ने सावरकर सेतु की बेहतर ढंग से साफ-सफाई व धुलाई कराने, बी.आर.टी.एस. बस स्टॉप एवं कॉरीडोर की बेहतर साफ सफाई कराने तथा रेलिंग्स की आवश्यकतानुसार मरम्मत कराने एवं रंग रोगन कराने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चैधरी ने सड़कों के किनारे, फुटपाथ, सेन्ट्रल वर्ज आदि स्थानों की बेहतर साफ-सफाई एवं सौन्दर्यीकरण हेतु निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चैधरी ने ज्ञान विज्ञान भवन के मैदान में हैलीपेड स्थल की बेहतर साफ-सफाई कराने के निर्देश स्वास्थ्य अधिकारी को दिये। निगम आयुक्त श्री चैधरी ने लाल परेड ग्राउंड, कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (मिन्टो हॉल), एयरपोर्ट रोड सहित विभिन्न स्थानों, मार्गों, फुटपाथों, सेन्ट्रल वर्ज आदि की आवश्यकतानुसार मरम्मत, पेंचवर्क, बेहतर साफ-सफाई, रंगाई-पुताई एवं सौन्दर्यीकरण के निर्देश निगम अधिकारियों को दिए। निगम आयुक्त ने सार्वजनिक स्थलों, खंबों आदि पर लगे स्टीकर, पोस्टर, बैनर आदि हटवाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्तद्वय एम.पी.सिंह, विनीत तिवारी, अधीक्षण यंत्री पी.के.जैन सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

अडानी की शेल कंपनियों में 20 हजार करोड़ रुपए किसके हैं, प्रधानमंत्री जवाब दें: चव्हाण

भोपाल। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव, मध्य प्रदेश प्रभारी जेपी अग्रवाल ने भोपाल में कहा कि अडानी की शेल कंपनियों में 20 हजार करोड रुपए किसके हैं, प्रधानमंत्री को जवाब देना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अपने परम मित्र अडानी को बचाने के लिए पीएम मोदी लोकतंत्र का गला घोंट रहें हैं। राहुल गांधी को निशाना बनाया गया है क्योंकि उन्होंने मोदी जी से अड़ानी के बारे में पूछा। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस लोकतंत्र को बचाने के लिए सब कुछ करेगी। दोनों नेता प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाताओं से चर्चा कर रहे थे। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी भी मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि 7 फरवरी, 2023 को श्री राहुल गांधी ने संसद में अपने भाषण में अडानी महा घोटाले पर 2 सीधे सवाल पूछे-1. क्या अडानी की शेल कंपनियों में रु. 20000 करोड़ या 3 बिलियन डॉलर हैं? अडानी इस पैसे को खुद कमा नहीं सकता क्योंकि वो इंफ्रास्ट्रक्चर बिजनेस में है। यह पैसा कहां से आया? किसका काला धन है? ये किसकी शेल कंपनियां हैं? ये कंपनियां डिफेंस फील्ड में काम कर रही है। कोई क्यों नहीं जानता? यह किसका पैसा है? इसमें एक चीनी नागरिक शामिल है। कोई यह सवाल क्यों नहीं पूछ रहा है कि यह चीनी नागरिक कौन है? वह पहला सवाल था।

2. प्रधानमंत्री मोदी जी का अडानी से क्या रिश्ता है? उन्होंने श्री अडानी के विमान में आराम करते हुए पीएम मोदी की तस्वीर दिखाई। उन्होंने रक्षा उद्योग के बारे में, हवाई अड्डों के बारे में, श्रीलंका में दिए गए बयानों के बारे में, बांग्लादेश में दिए गए बयानों के बारे में, ऑस्ट्रेलिया में स्टेट बैंक (भारत के) के चेयरमैन के साथ बैठे श्री नरेंद्र मोदी और श्री अडानी की तस्वीरें, जिन्होंने कथित तौर पर 1 बिलियन डॉलर का ऋण स्वीकृत किया था के बारे में दस्तावेज दिए। यह सबूत के साथ सवालों का दूसरा सेट था।

> अडानी के घोटाले पर संसद में श्री राहुल गांधी के भाषण के ठीक 9 दिन बाद, उनके खिलाफ मानहानि का मामला फिर से शुरू हो गया। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण से अडानी घोटाले के महत्वपूर्ण अंश और श्री राहुल गांधी के भाषण (लगभग पूरी तरह से) को संसद के रिकॉर्ड से हटा दिया गया। क्यों ?

संसद के बजट सत्र के चल रहे दूसरे भाग में, भारत के इतिहास में पहली बार एक सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा संसद को बाधित कर रही है और इसे काम नहीं करने दे रही है। यह अडानी को बचाने के लिए एक ध्यान भटकाने की साजिश है। जबकि संयुक्त विपक्ष इस पर जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) चाहता है।

श्री राहुल गांधी पर भाजपा मंत्रियों द्वारा हमला किया गया। लोक सभा अध्यक्ष महोदय को राहुल जी ने दो लिखित अनुरोध किये कि उनको संसद में जवाब देने दें। इस के बाद तीसरी बार अध्यक्ष जी से मीटिंग भी की पर तीन अनुरोधों के बावजूद अध्यक्ष जी ने संसद में उन्हें बोलने का अवसर देने से इनकार कर दिया। इससे साफ़ पता चलता है कि पीएम मोदी नहीं चाहते कि अडानी के साथ उनके रिश्ते का पर्दाफाश हो ।

बीजेपी की ध्यान भटकाने की कवायद 3 हास्यास्पद आरोपों से साबित होती है। सबसे पहले, उन्होंने दावा किया कि श्री राहुल गांधी ने विदेशी ताकतों से लंदन में भारत की मदद करने के लिए कहा। ये एक सफेद झूठ है। अगर कोई उनके वक्तव्यों को ध्यान से देखें, तो उन्होंने कहा कि ये भारत का अंदरूनी मामला है, हम स्वयं इसका हल निकालने में सक्षम है।

दूसरा- भाजपा अब झूठा होवा खड़ा कर रही है कि श्री राहुल गांधी ने ओबीसी को सिर्फ इसलिए निशाना बनाया, क्योंकि उन्होंने पीएम मोदी से एक सवाल किया था! ध्यान भटकाने का एक और बोगस हथकंडा! जो व्यक्ति एकता फैलाने के लिए भारत जोड़ो यात्रा में 4000 किलोमीटर पैदल चल सकता है, वो कैसे एक समुदाय को निशाना बना सकता है?

तीसरा- सूरत, गुजरात में एक निचली अदालत के फैसले के 24 घंटे के भीतर भाजपा ने श्री गांधी को लोकसभा में उनकी सदस्या को रद्द करने के लिए बिजली की गति से काम किया, भले ही अदालत ने उन्हें उच्च न्यायालय में अपील करने के लिए 30 दिन का समय दिया था ! भाजपा श्री राहुल गांधी से इतना डरती क्यों है ? भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की ओबीसी समुदाय का अपमान करने का आरोप लगाने की घटिया चाल स्पष्ट हताशा साबित हुई है।

सबसे पहले, श्री राहुल गांधी द्वारा दिया गया बयान यह पूछ रहा था कि कुछ चोरों का एक ही उपनाम (नीरव मोदी ललित मोदी और नरेंद्र मोदी) क्यों है उन्होंने ऐसा नहीं कहा है कि सारे मोदी चोर हैं! उन्होंने किसी समुदाय को निशाना नहीं बनाया। दूसरा, न तो नीरव मोदी और न ही ललित मोदी ओबीसी है। और उनकी जाति जो भी हो, क्या उन्होंने धोखाधड़ी नहीं की? भाजपा धोखेबाजों और भगोड़ों को क्यों बचा रही है? तीसरा, कांग्रेस पार्टी में 2 ओबीसी मुख्यमंत्री हैं। इससे साबित होता है कि कांग्रेस उनके योगदान को महत्व देती है।

राहुल गांधी और कांग्रेस नहीं डरेंगे। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हम सीधे लोगों के पास गए और उनकी चिंताओं को सुना महंगाई, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता और संस्थानों पर कब्जा, इन सब मुद्दों को उठाया। हम लोगों के इन मुद्दों को उठाते रहेंगे और अपना संदेश सीधे लोगों तक पहुंचाते रहेंगे।

मध्यप्रदेश की सियासत के केंद्र हैं राम

14 में से 12 साल चित्रकूट में बिताए; फिर भी नहीं बन पा रहा राम वन गमन पथ

भोपाल। विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही एक बार फिर भगवान श्रीराम मध्यप्रदेश की सियासत के केंद्र में आ गए हैं। देश के साथ प्रदेश में भी राम पर हमेशा राजनीति होती रही है। पिछले 2 बार के चुनाव में राम वन गमन पथ राजनीति का केंद्र बिंदु बनता आ रहा है।

राम 14 साल के वनवास में करीब 12 साल मध्यप्रदेश में रहे हैं, फिर भी यहां पर राम वन गमन पथ का निर्माण नहीं हो पाया है। 2018 में कांग्रेस ने अपने वचन पत्र में इसे शामिल किया तो कमलनाथ सरकार बन गई, लेकिन 15 महीने के बाद फिर बीजेपी सरकार बन गई। फिर राम वन गमन पथ केंद्र में आ गया। अब 2023 के विधानसभा चुनाव में फिर राम की चर्चा होने लगी है। कांग्रेस का राम वन गमन पथ अब बीजेपी का दिव्य वनवासी राम लोक बन गया है। राम के वनवास में सबसे ज्यादा सौभाग्यशाली मध्यप्रदेश रहा है। यहां पर राम ने 11 साल 11 महीने और 11 दिन का समय गुजारा। राम ने सीता और लक्ष्मण समेत सबसे ज्यादा समय चित्रकूट में गुजारा। प्रदेश में राम वन गमन पथ चित्रकूट से अमरकंटक तक 370 किलोमीटर है। कहा जाता है कि चित्रकूट में पग-पग पर राम की निशानियां बसी हैं। यहां से ही श्रीराम वन गमन पथ बनना है, लेकिन 14 साल में काम के नाम पर सिर्फ सर्वे हुआ है।

ऐसा है प्रदेश में राम वन गमन पथ

प्रदेश में सतना जिले के चित्रकूट से राम की वन की यात्रा शुरू होती है। कामतानाथ मंदिर चित्रकूट से राम स्फटिक शिला और गुप्त गोदावरी के बाद सती अनुसुइया आश्रम पहुंचे। ये सभी स्थान सतना जिले में चित्रकूट में स्थित हैं। इसके बाद सलेहा मंदिर पन्ना, मैहर से होते हुए कटनी जिले के बड़वारा से होते हुए राम जबलपुर के शाहपुरा पहुंचे। जबलपुर के ग्वारी घाट से भी राम गुजरे हैं। यहां से सतना जिले के राम मंदिर तालाधाम से शहडोल के सीतामढ़ी और फिर अमरकंटक पहुंचे।

कमलनाथ सरकार में शुरू हुआ था राम पथ वन गमन पर काम

2018 में प्रदेश में कमलनाथ सरकार बनी। साल 2019-20 के पहले बजट में कमलनाथ ने राम वन गमन पथ के लिए 22 करोड़ रुपए का प्रावधान किया था। ये काम तत्कालीन धर्मस्व मंत्री पीसी शर्मा के जिम्मे था। इसका पूरा प्रोजेक्ट तैयार हो गया था। चित्रकूट से अमरंकटक के विशेष स्थानों और उनके विकास का पूरा नक्शा भी बना लिया गया था। इसके लिए राम वन गमन समिति का गठन किया गया था। राम वन गमन पथ बनाने के लिए बोर्ड का गठन किया जाना था, लेकिन इससे पहले कि राम वन गमन पथ पर काम शुरू होता प्रदेश की कमलनाथ सरकार गिर गई और चौथी बार शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री बन गए। इसके बाद राम पथ वन गमन का काम ठप हो गया। इस बार फिर कांग्रेस के वचन पत्र में राम वन गमन पथ को फिर से प्रमुखता से शामिल किया जाएगा।

चुनाव के पहले बीजेपी सरकार शुरू करेगी काम

चुनावी साल में बीजेपी सरकार का फोकस भी राम वन गमन पथ पर हो गया है। बीजेपी ने इसे दिव्य वनवासी रामलोक का नाम दिया है। इस बार के बजट में 250 करोड़ रुपए सलकनपुर मंदिर, ओरछा के रामराजा मंदिर और दिव्य वनवासी राम लोक के लिए रखे हैं। अब किस पर कितना खर्च होगा ये अलग बात है। संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर कहती हैं कि जल्द ही चुनाव से पहले इसका निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। इसके लिए ट्रस्ट भी बनाया जा रहा है। (द सूत्र)

सावरकर को लेकर बार-बार क्यों खड़ा होता है विवाद

जानिए किन वजहों से बीजेपी-संघ परिवार उन्हें मानता है हीरो और कांग्रेस विलेन

मेरा नाम सावरकर नहीं है, मेरा नाम गांधी है। गांधी ने कभी किसी के सामने आत्मसमर्पण नहीं किया।% कांग्रेस के पूर्व सांसद राहुल गांधी के 25 मार्च को इस बयान के बाद देश की राजनीति में सावरकर को लेकर एक बार फिर विवाद छिड़ गया है। विनायक दामोदरराव सावरकर जिन्हें संघ और बीजेपी परिवार एक महान स्वतंत्रता सेनानी और प्रखर राष्ट्रवादी नेता मानता है जबकि कांग्रेस उन्हें अंग्रेजों का एजेंट करार देते हुए एक विलेन के रूप में देखती है। सावरकर को लेकर देश के राजनीतिक और बौद्धिक जगत में हमेशा विवाद और बहस बनी रहती है। आइए ऐतिहासिक तथ्यों और घटनाओं के आधार पर समझते हैं कि आखिर देश में सावरकर को लेकर इतना विवाद क्यों खड़ा होता है? क्यों उन्हें एक क्रांतिकारी के रूप में सम्मान देने का विरोध होता है?

अभी क्यों खड़ा हुआ विवाद

दरअसल, मोदी सरनेम को लेकर मानहानि केस में सूरत कोर्ट के फैसले के बाद संसद से अयोग्य ठहराए जाने के बाद 25 मार्च को राहुल गांधी ने नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, %मेरा नाम सावरकर नहीं है, मेरा नाम गांधी है। गांधी ने कभी किसी के सामने आत्मसमर्पण नहीं किया।% इस बयान के बाद बीजेपी और संघ परिवार के नेताओं ने सावरकर का अपमान करने के लिए राहुल के खिलाफ जमकर हमला बोला। इस विवाद में सावरकर के पोते रंजीत सावरकर भी कूद पड़े। उन्होंने राहुल गांधी के माफी ना मांगने के बयान पर तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी इसका प्रमाण दें कि वीर सावरकर ने कभी किसी से माफी मांगी हो। मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वे ऐसे दस्तावेज दिखाएं जिनमें सावरकर ने माफी मांगी हो। इसके उलट वे 2 बार सुप्रीम कोर्ट से माफी मांग चुके हैं। राहुल गांधी जो कुछ भी कर रहे हैं, वह बचकाना है। राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए देशभक्तों का नाम घसीटना निंदनीय है।

कौन थे वीर सावरकर?

सावरकर से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों, घटनाओं और विवादों पर नजर डालने से पहले जानते हैं कि आखिर वे थे कौन? विनायक दामोदरराव सावरकर का जन्म देश पर अंग्रेज हुकूमत के दौरान 28 मई, 1883 को महाराष्ट्र के नासिक में एक मराठी परिवार में हुआ था। वे एक वकील, राजनीतिज्ञ, कवि, लेखक और नाट्य लेखक भी थे। अपनी उच्च माध्यमिक शिक्षा के दौरान सावरकर के मन में भारत को ब्रिटिश राज से आजाद कराने की इच्छा जागृत हुई। स्कूल शिक्षा के बाद फर्ग्युसन कॉलेज पुणे में पढ़ाई के दौरान भी वे राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत ओजस्वी भाषण देते थे। अपने राजनीतिक विचारों के लिए सावरकर को पुणे के इस कॉलेज से निष्कासित कर दिया गया था। बाल गंगाधर राव तिलक की अनुशंसा पर 1906 में उन्हें श्याम जी कृष्ण वर्मा छात्रवृत्ति मिली और वे आगे की पढ़ाई के लिए लंदन चले गए। वहां भी उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के लिए अलख जगाए रखी। वे रूसी क्रांतिकारियों से ज्यादा प्रभावित थे। लंदन में रहने के दौरान सावरकर की मुलाकात क्रांतिकारी लाला हरदयाल से हुई। लंदन में वे इंडिया हाउस की देखरेख भी करते थे। मदनलाल धींगरा को फांसी दिए जाने के बाद उन्होंने %लंदन टाइम्स% में भी एक लेख लिखा था। वहां उन्होंने धींगरा के लिखित बयान के पर्चे भी बांटे थे। साल 1910 में उन्हें नासिक के कलेक्टर की हत्या में संलिप्त होने के आरोप में लंदन में गिरफ्तार कर लिया गया था। 1910 में नासिक के जिला कलेक्टर जैकसन की हत्या के आरोप में पहले सावरकर के भाई नारायण दामोदर को गिरफ्तार किया गया था।

बीजेपी-संघ परिवार की नजर में क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी

भारतीय जनसंघ के प्रकाशनों में दावा किया जाता है कि सावरकर पहले स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता थे, जिसने विदेशी कपड़ों की होली जलाई। 1905 के बंग-भंग के बाद उन्होंने पुणे में विदेशी वस्त्रों की होली जलाई थी। हालांकि, सावरकर कभी भी जनसंघ और आरएसएस से नहीं जुड़े रहे, लेकिन उनकी इन दोनों संगठनों और इसकी विचारधारा से जुड़े लोगों में बहुत सम्मान किया जाता है। इसका अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि केंद्र में एनडीए के राज में 2000 में वाजपेयी सरकार ने तत्कालीन राष्ट्रपति केआर नारायणन के पास सावरकर को भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान %भारत रत्न% देने का प्रस्ताव भेजा था, लेकिन उन्होंने उसे स्वीकार नहीं किया था।

वीर की उपाधि कब और कैसे मिली?

इतिहास के जानकारों के मुताबिक 1936 में एक बयान को लेकर विवाद होने के बाद सावरकर को कांग्रेस ने ब्लैकलिस्ट कर दिया था। उस समय कांग्रेस ने सावरकर के खिलाफ बड़ा आंदोलन किया था। इसके चलते हर जगह उनका विरोध किया जाने लगा। ऐसे में उस समय के शिक्षाविद्, लेखक, कवि और नाटककार पीके अत्रे ने सावरकर का साथ देने का मन बनाया क्योंकि वे उनके बड़े प्रशंसक थे। अत्रे ने पुणे में अपने बालमोहन थिएटर के तहत सावरकर के लिए एक स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम के विरोध में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सावरकर के खिलाफ पर्चे बांटे और धमकी दी कि वे सावरकर को काले झंडे दिखाएंगे। इस विरोध के बावजूद हजारों लोग जुटे और सावरकर का स्वागत कार्यक्रम हुआ। अत्रे ने कार्यक्रम में अपने भाषण में सावरकर को निडर करार देते हुए कह दिया कि ये आदमी काले झंडों से नहीं डरेगा, जो काला पानी की सजा तक से नहीं डरा। भाषण में अत्रे ने सावरकर को %स्वातंर्त्यवीर% की उपाधि दी। यही उपाधि बाद में %वीर% टाइटल हो गई और सावरकर के नाम के साथ जुड़ गई। हालांकि कई आलोचक यह भी कहते हैं कि सावरकर ने एक किताब के माध्यम से खुद ही अपने को %वीर% घोषित किया था। 26 फरवरी 1966 को उनका निधन हो गया।

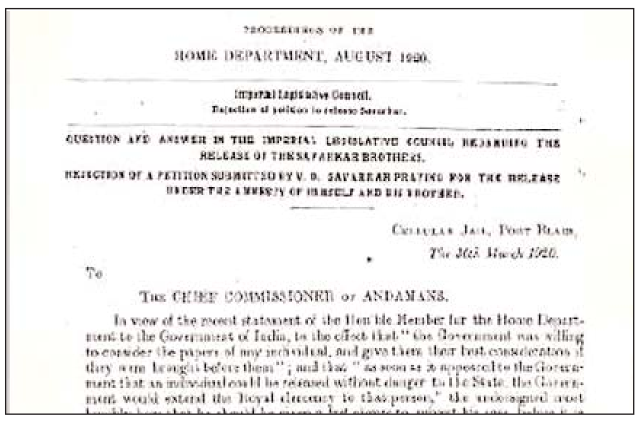

PROCEEDINGS OF THE

HOME DEPARTMENT, AUGUST 1920.

Imperial Legislative Council.

Rejection of petition to release Savarkar.

QUESTION AND ANSWER IN THE IMPERIAL LEGISLATIVE COUNCIL REGARDING THE RELEASE OF THE SAVARKAR BROTHERS.

REJECTION OF A PETITION SUBMITTED BY V. D. SAVARKAR PRAYING FOR THE RELEASE UNDER THE AMNESTY OF HIMSELF AND HIS BROTHER.

Cellular Jail, Port Blair,
The 30th March 1920.

To

The Chief Commissioner of Andamans.

In view of the recent statement of the Hon'ble Member for the Home Department to the Government of India, to the effect that "the Government was willing to consider the papers of any individual, and give them their best consideration if they were brought before them"; and that "as soon as it appeared to the Government that an individual could be released without danger to the State, the Government would extend the Royal clemency to that person," the undersigned most [illegible]

क्या है अंग्रेजों से माफी मांगने का विवाद

अब उस विवाद के बारे में जानते हैं जिसके लिए कांग्रेस और सावरकर के आलोचक उन्हें स्वतंत्रता आंदोलन का हीरो नहीं बल्कि विलेन करार देते हैं। दरअसल, वीर सावरकर पर एक गंभीर आरोप लगाया जाता है कि उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अंग्रेजों से माफी मांगी थी। वे कड़ी सजा के लिए काला पानी के रूप में कुख्यात अंडमान की सेल्यूलर जेल में सजा काट रहे थे। जानवरों को जिस तरह तेल निकालने के लिए कोल्हू में जोता जाता है, सावरकर को जेल में उसी तरह तेल मिल में काम पर लगाया गया। यह बर्बर सजा थी, हालांकि वे अकेले व्यक्ति नहीं थे जिसे इस काम में लगाया गया हो, लेकिन सेज की सजा से निजात पाने के लिए 1911 में उन्होंने खुद ही सरकार के सामने दया याचिका लगाई। बाद में खुद सावरकर और उनके समर्थकों ने अंग्रेजों से माफी मांगने को इस आधार पर सही ठहराया था कि ये उनकी सोची-समझी रणनीति का हिस्सा था, जिसकी वजह से उन्हें कुछ रियायतें मिल सकती थीं। सावरकर ने अपनी आत्मकथा में लिखा है- यदि मैंने सजा के खिलाफ जेल में हड़ताल की होती तो मुझसे मुख्य भूमि भारत पत्र भेजने का अधिकार छीन लिया जाता। उन्हें 1924 में जेल से 2 शर्तों के आधार पर छोड़ा गया। ये शर्तें थीं, पहली- सावरकर को रत्नागिरी जिले में ही रहना होगा और बिना सरकारी अनुमति के वे जिले से बाहर नहीं जा सकते। दूसरी- वे निजी या सार्वजनिक रूप से राजनीतिक गतिविधियों में भाग नहीं ले सकते। ये शर्तें 5 साल के लिए थीं और इस समयावधि के बाद इन्हें दोबारा लगाया जा सकता था।

क्यों मिली काला पानी की सजा?

1910 में नासिक जिले के कलेक्टर जैकसन की हत्या की साजिश के आरोप में सावरकार को 7 अप्रैल 1911 को काला पानी की सजा सुनाते हुए अंडमान द्वीप के सेल्युलर जेल भेज दिया गया। सावरकर 4 जुलाई 1911 से 21 मई 1921 तक पोर्ट ब्लेयर की जेल में बंद रहे। उन्होंने अंडमान के एकांत कारावास में जेल की दीवारों पर कील और कोयले से कविताएं लिखीं और फिर उन्हें याद किया। इस प्रकार याद की हुई करीब 10 हजार पंक्तियों को उन्होंने जेल से छूटने के बाद पुनः लिखा। उन्होंने जेल में सजा काटते हुए %द ट्रांसपोर्टेशन ऑफ माई लाइफ% नामक पुस्तक लिखी। उनकी 2 पुस्तकों को मुद्रित और प्रकाशित होने के पूर्व ही अंग्रेजों ने जब्त कर लिया।

सावरकर के माफीनामे पर गांधी की क्लीन चिट

अंग्रेजों से माफी मांगने के मामले पर गांधी जी ने 1920 में सावरकर को %चतुर% बताते हुए कहा था कि उन्होंने स्थिति का लाभ उठाते हुए क्षमादान की मांग की थी, जो उस दौरान देश के अधिकांश क्रांतिकारियों और राजनीतिक कैदियों को मिल भी गई थी। सावरकर जेल के बाहर रहकर देश की आजादी के लिए जो कर सकते थे वो जेल के अंदर रहकर नहीं कर पाते।

सावरकर यदि कायर होते तो ये वीरता क्यों दिखाते?

सावरकर को क्रांतिकारी मानने वाले पक्ष का कहना है कि यदि वे कायर होते तो अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने की वीरता क्यों दिखाते? अपने इस तर्क के पक्ष में वे एक घटना का जिक्र करते हैं। सावरकर को नासिक के कलेक्टर की हत्या की साजिश में शामिल होने के आरोप में लंदन में गिरफ्तार कर लिया गया था। उन्हें %एसएस मौर्य% नाम के पानी के जहाज से भारत लाया जा रहा था। जब जहाज फ्रांस के मार्से बंदरगाह पर पहुंचने वाला था तो सावरकर जहाज के शौचालय के %पोर्ट होल% से बीच समुद्र में कूद गए। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों ने उन पर गोलियां भी चलाई, लेकिन वो बच निकले। हालांकि समुद्री तट से आधे किलोमीटर की दूरी तक भागने के बाद वो फिर से पकड़े गए। फ्रांस में पकड़े जाने पर सावरकर पर अधिकार को लेकर मामला इंटरनेसनल कोर्ट हेग में भी पहुंचा। पहले तो ब्रिटेन और फ्रांस के बीच उनकी गिरफ्तारी को लेकर काफी विवाद हुआ, लेकिन बाद में दोनों देशों ने सुलह कर ली। इसके बाद कोर्ट ने ब्रिटेन के हक में फैसला सुनाया।

काला पानी में कई यातनाएं भोगीं?

सावरकर को भारत लाकर कोर्ट में मुकदमा चलाया गया, जहां कोर्ट से उन्हें 25-25 साल की 2 अलग-अलग सजाएं सुनाईं। सजा काटने के लिए उन्हें भारत से दूर अंडमान यानी काला पानी भेज दिया गया। उन्हें सेल्युलर जेल में छोटी-सी घनी अंधेरी कोठरी में रखा गया। इतिहास की किताबों में लिखा गया है कि अंडमान में सरकारी अफसर बग्घी में चलते थे और सावरकर सहित तमाम कैदियों को इन बग्घियों को खींचना पड़ता था। जब कैदी बग्घियों को खींचने में लड़खड़ा जाते थे तो उन्हें चाबुक से पीटा जाता था। कैदियों को कोल्हू चलाकर तेल भी निकालना पड़ता था। टॉयलेट में भीड़ होने के कारण कभी-कभी कैदी को जेल के अपने कमरे के एक कोने में ही मल त्यागना पड़ता था।

क्या माफीनामा रणनीति का हिस्सा था?

बताया जाता है कि लंबे समय तक यातनाओं के दौर से गुजरते हुए सावरकर ने एक रणनीति बनाई। उन्होंने अंग्रेजों से माफी मांगने का मन बनाया। इसके लिए उन्होंने अंग्रेज हुकूमत को 6 बार चिट्ठियां लिखीं। कानून के मुताबिक कैदियों के अच्छे व्यवहार को देखते हुए उन्हें कुछ शर्तों पर रिहा भी किया जाता था। इसका लाभ उस दौरान कई राजनीतिक कैदियों को मिला। सावरकर के भी तमाम अच्छे व्यवहार को देखते हुए उन्हें 1924 में रिहा कर दिया गया। इंदिरा गांधी सेंटर ऑफ आर्ट्स के प्रमुख राम बहादुर राय के मुताबिक सावरकर की कोशिश रहती थी कि भूमिगत रहकर उन्हें काम करने का जितना मौका मिले, उतना अच्छा है। सावरकर इस पचड़े में नहीं पड़े कि उनके माफी मांगने पर लोग क्या कहेंगे। उनकी सोच ये थी कि अगर वो जेल के बाहर रहेंगे तो वो जो करना चाहेंगे वो कर सकेंगे।

महात्मा गांधी की हत्या में शामिल होने के आरोप से बने विलेन

वीर सावरकर की छवि को उस समय बहुत धक्का लगा जब 1949 में गांधी हत्याकांड में शामिल होने के लिए 8 लोगों के साथ उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि ठोस सबूतों के अभाव में वो बरी हो गए, लेकिन यह आरोप उनके व्यक्तित्व से जुड़ा रहा। कपूर कमीशन की रिपोर्ट में कहा गया कि उन्हें इस बात का यकीन नहीं है कि सावरकर की जानकारी के बिना गांधी हत्याकांड हो सकता था। सावरकर को हिंदुत्व का पुरोधा मानने वाले पक्ष का मानना हा कि उन्हें सिर्फ इसलिए गिरफ्तार कर किया गया क्योंकि नाथूराम गोडसे और उनके विचारों में कई समानताएं थीं। गोडसे भी पहले हिंदू महासभा से जुड़ा हुआ था, लेकिन 1949 में सावरकर के खिलाफ गांधी जी की हत्या में शामिल होने का आरोप कोर्ट में बेबुनियाद साबित हुआ और उन्हें बाइज्जत बरी कर दिया गया। अदालत से बरी हो जाने के बावजूद गांधी जी की हत्या में शामिल होने के महज आरोप ने ही गोडसे के बाद उन्हें आजाद भारत का सबसे बड़ा विलेन बना दिया। आजादी के बाद बेहद एकांकी जीवन बिताते हुए 1966 में उनकी मृत्यु हो गई। इसके बाद सावरकर की विरासत को अंधकार में डाल दिया गया।

सावरकर का हिंदू और हिंदुत्व

हिंदू राष्ट्र की राजनीतिक विचारधारा (हिन्दुत्व) को विकसित करने का बहुत बड़ा श्रेय सावरकर को जाता है। अंडमान से वापस आने के बाद सावरकर ने एक पुस्तक लिखी %हिंदुत्व- हू इज हिंदू?% जिसमें उन्होंने पहली बार हिंदुत्व को एक राजनीतिक विचारधारा के तौर पर इस्तेमाल किया। किताब के मुताबिक इस देश का इंसान मूलतः हिंदू है। इस देश का नागरिक वही हो सकता है जिसकी पितृ भूमि, मातृ भूमि और पुण्य भूमि यही हो। मोहम्मद अली जिन्ना के नेतृत्व में मुस्लिम लीग की बढ़ती लोकप्रियता के चलते सावरकर ने हिंदुत्व के पुरोधा की अपनी छवि के बल पर राष्ट्रीय राजनीति में आकर्षण हासिल करना शुरू कर दिया। वीर सावरकर बॉम्बे (अब मुंबई) चले गए और 1937 में हिंदू महासभा के अध्यक्ष चुने गए और 1943 तक कार्य किया। कांग्रेस ने 1937 में चुनावों में प्रवेश किया, लेकिन कांग्रेस और जिन्ना के बीच संघर्ष ने हिंदू-मुस्लिम राजनीतिक विभाजन को बढ़ा दिया। जब कांग्रेस ने 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन शुरू किया, सावरकर ने इसकी आलोचना की। उन्होंने हिंदुओं से आग्रह किया कि वे %युद्ध की कला% सीखने के लिए सशस्त्र बलों में शामिल हों। हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने 1944 में जिन्ना के साथ बातचीत करने के लिए गांधी की पहल का विरोध किया। वीर सावरकर के नेतृत्व में हिंदू महासभा ने भारत छोड़ो आंदोलन का खुलेआम विरोध किया और आधिकारिक तौर पर इसका बहिष्कार किया।

महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव में वीर सावरकर एक बड़ा मुद्दा बन गए थे। तब बीजेपी ने ये ऐलान कर कर दिया था कि महाराष्ट्र में सत्ता में आने पर वह वीर सावरकर के नाम की सिफारिश देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न के लिए करेगी। इसके बाद कांग्रेस ने वीर सावरकर पर कई सवाल उठा दिए थे। उसका तर्क था कि चूंकि काला पानी से वापस आने के लिए सावरकर ने अंग्रेज सरकार को माफीनामा लिखकर दिया था, इसलिए वे भारत रत्न के हकदार नहीं हैं, लेकिन उस वक्त इंदिरा गांधी की एक 20 मई 1980 को लिखी गई चिट्ठी ने कांग्रेस को भी बैकफुट पर आने को मजबूर कर दिया था। इस पर बीजेपी ने इंदिरा गांधी की चिट्ठी को मुद्दा बनाते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री रहते हुए इंदिरा गांधी ने वीर सावरकर की तारीफ की थी। इसी दौरान बीजेपी नेता अमित मालवीय ने दावा किया कि इंदिरा गांधी ने सावरकर के सम्मान में डाक टिकट जारी करने के अलावा अपने निजी खाते से सावरकर ट्रस्ट को 11 हजार रुपए दान किए थे।

- (द सूत्र)

नवरात्रि की दुर्गा नवमी

मां सिद्धिदात्री

सिद्धगंधर्वयक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि।
सेव्यमाना यदा भूयात् सिद्धिदा सिद्धिदायनी॥

जब बापू ने कहा, जैसा राम नचाता है, वैसा नाचता हूं।

बापू को गांव की संस्कृति से बहुत प्यार था, इसीलिए वे सेवाग्राम में आकर रहने लगे। उन्होंने शहर वासियों को गांव में आकर रहने और वहां का जीवन अपनाने की सलाह दी। एक बार शहर के लोगों का एक समूह बापू से मिलने सेवाग्राम आया और उन्होंने शांति का मार्ग बापू से पूछा। बापू ने कहा कि आप सब राम मय हो जाओ, शांति पाने का सबसे अच्छा मार्ग यही है। उन्होंने उन सभी लोगों को राम नाम जपने की सलाह देते हुए कहा की मैं आपको एक ऐसा नाम दे रहा हूं, जिसकी पूजा इस देश की जनता न जाने कितनी पीढ़ियों से करती आ रही है।

एक ऐसा नाम जो हमारे पशुओं, पक्षियों, वृक्षों और पाषाणों तक के लिए हजारों वर्षों से परिचित रहा है। राम का नाम आपको इतनी मधुरता और भक्ति के साथ लेना सीखना चाहिए कि उसे सुनने के लिए पक्षी अपना कलरव बंद कर दे, उस नाम के दिव्य संगीत पर मुग्ध होकर वृक्ष भी अपने पर्ण आपकी और झुका दे। बापू कहते थे की राम नाम का मेरा स्मरण चौबीस घंटे चलता है। मेरा संकल्प यही है कि जैसी सांस, वैसे ही राम का स्मरण चलता रहे। नित्य होने वाली प्रार्थना सभा में बापू राम के चरित्र की अक्सर बात कहते थे। एक बार वे बोले, यदि बुरे विचार आपकों परेशान करते हो,या वासना और लोभ आपको त्रस्त करते है तो इससे छुटकारा पाने के लिए राम नाम से बड़ा कोई मंत्र नहीं। मान लीजिये आपको आसान और बेईमानी से सम्पत्ति अर्जित करने की लालसा हो रही है और आपका राम नाम में विश्वास है तो आप अपने मन से कहेंगे कि मैं अपनी पत्नी और बच्चों के लिए धन संग्रह क्यों करूं। राम नाम के निरंतर जाप से आपका मोह और आसक्ति मिट जाएगी और आपको इस बात का सजग बोध होगा कि धन संग्रह की लालसा में पड़कर कितना मूर्खतापूर्ण कार्य कर रहे थे।

महात्मा गांधी कहते थे कि जो राममय होना चाहे,उसके लिए किसी विशेष समय की जरूरत नहीं है। खेती करते, खेलते, कूदते, घूमते, नहाते या अन्य कोई भी काम करते राम का नाम लेना सबका कर्तव्य है और यह ईश्वर प्राप्ति का सबसे सुगम मार्ग है। दरअसल बापू के लिए राम का चरित्र आदर्श जीवन का आधार था और वे प्रत्येक व्यक्ति को राममय होने की सलाह देते थे। बापू कहते थे कि मुझे बचपन से रामनाम सिखाया गया और उसका सहारा मुझे बराबर मिलता रहा है। वे राम के जीवन अनुभवों की अवलेहना को इतिहास की अवहेलना करना जैसा बताते हुए नसीहत देते है राम नाम के जप का संबंध हृदय से है।

जहां वाणी और मन में एकता नहीं, वहां वाणी केवल मिथ्या चीज़ है, दंभ है, शब्दजाल है। ऐसे जप से चाहे संसार धोखा खा जाये,पर वह अन्तर्यामी राम कहीं धोखा सकता है क्या।। रामनाम जरूरी है, आत्मशुद्धि के लिए, हमारे प्रयत्न को सहारा देने के लिए और ईश्वर से सीधा मार्गदर्शन पाने के लिए। बापू कहते थे की रामनाम कभी भी परिश्रम का स्थान नहीं ले सकता। वह तो परिश्रम को अधिक बलयुक्त बनाने और उसे उचित मार्ग पर ले जाने के लिए है।

बापू अपनी बुद्धि, बल और आत्मविश्वास का आधार राम में विश्वास को बताते थे। उन्होंने कहा, मुझमे जो बल है, वह राम का है मेरा अपना कुछ नहीं है। मुझे राम नाम का सहारा है,इसलिए मुझे कोई शारीरिक रोग नहीं है। चारो तरफ दावानल धधकता रहता है, फिर भी मैं अपने काम में तन्मयता से जुटा रह पाता हूं। यह राम जी का ही प्रताप है। यदि ऐसा न होता तो कब का टूट गया होता, इसलिए पुकार पुकार कर कहता हूं कि जैसा राम नचाता है,वैसा नाचता हूं।

ब्रह्मदीप अलूने
(गांधी है तो भारत है, किताब के लेखक)

ब्रह्मांड नायक प्रभु श्री राम के जन्मोत्वस पर विशेष

ज्योतिष के आइने में मर्यादा पुरुषोत्तम राम

पंडित पीएन भट्ट

सृष्टि संचालक विराट महापुरुष की सूर्य व चन्द्रमा के समान ये दोनों आंखें, सम्पूर्ण मानव सभ्यता को प्रेरणा देती रहेंगी। मर्यादा पुरुषोत्तम राम युग-युगाब्द तक याद किए जाएंगे। भगवान श्रीराम राघवेन्द्र थे। इनका जन्म अयोध्या में हुआ। वे समस्त भारत भू-मंडल के चक्रवर्ती सम्राट कहलाते थे। सूर्यवंशीय श्रीराम चौत्र शुक्ल, नवमी, दिन को ठीक 12 बजे अभिजित मुहूर्त में अवतीर्ण हुए। भगवान श्रीराम की कुंडली में सूर्य, मंगल, गुरु, शनि उच्च राशिगत तथा चन्द्र स्वक्षेत्री थे। भगवान राम का जन्म चर लग्न में हुआ। उनकी जन्म पत्रिका के चारों केन्द्रों में उच्च के ग्रह पंच महापुरुष के योग का निर्माण कर रहे है। वृहस्पति से हंस योग, शनि से षष योग, मंगल से रूचक योग का निर्माण हो रहा है। लग्नस्थ कर्क राशि गत गुरु और चंद्र गजकेसरी योग। कर्क लग्न में सप्तमस्थ उच्च राशिगत मंगल पंचमेश और राज्येश बन कर प्रबल राजयोग बना रहा है। सूर्य उच्च राशिगत होकर राज्य भाव (कर्म भाव) में होने से भगवान राम चक्रवर्ती बने। उन्होंने युगों तक राज्य किया। भगवान श्रीरामचन्द्र जी की जन्म कुंडली पर अपनी अल्प बुद्धि से ज्योतिषीय विवेचना का प्रयास किया। विद्वतजनों से आग्रह है त्रुटियों को क्षमा करें। भगवान श्रीराम के जन्मदिन पर प्रस्तुत हैं बड़े विनम्र भक्तभाव से यह ज्योतिषीय कलेवर, कौतुकता से इसे निहारें। भगवान श्रीराम दीर्घकाल तक सभी जातकों की रक्षा करें।

भगवान श्रीराम की जन्म कुंडली

भगवान श्रीराम की कुंडली के दसम भवन में सूर्य उच्च राशि में विराजमान हैं। सूर्यदेव 12 कलाओं में मर्यादित हैं, फ्लतरू श्रीराम का चरित्र मर्यादित है। इसलिये उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम भी कहा गया है। वे सत्य वक्ता थे। उनके मुख से जो वचन निकल गया वह सत्य होता था, पूर्ण होता था, अमोघ होता था। महाकवि तुलसीदास जी ने रामायण में लिखा है रघुकुल रीति सदा चली आई, प्राण जाहि पर वचन नहीं जाही। सूर्य, दसम भवन में राज्य, कीर्ति का कारक ग्रह भी हैं, अस्तु प्रभु राम चाहें वे अयोध्या में रहे हों या अपने विद्याकाल में गुरु वसिष्ठ के गुरुकुल में अथवा वन में या चक्रवर्ती सम्राट के रूप में अयोध्या में रहे हों। उनकी यश, कीर्ति, न्याय व्यवस्था मानव सभ्यता में सदैव स्तुत्यनीय तथा अनंतकाल तक कीर्ति पताका दिग्दिगंत तक फ्हराती रहेगी। दशरथ पुत्र राम की जन्म कुंडली में चन्द्र देव स्वक्षेत्री कर्क लग्न में उच्च राशिगत देव गुरु वृहस्पति के साथ विराजमान होकर कह रहे हैं कि यह जातक तन, मन से विलक्षण प्रतिभा सम्पन्न होकर सुदर्शनीय तो होगा ही, साथ ही शील तत्व, स्वभाव कार्यकुशलता की दृष्टि से एक ऐसे विराट व्यक्तित्व का धनी होगा, जिसे विश्व मानव समाज श्रद्धामयी दृष्टि से अपलक निहारता हुआ राममय हो जाएगा।

द्वितीय भवन

भरताग्रज राम की कुंडली के द्वितीय भवन का स्वामी नवग्रहों का राजा सूर्य विराजमान है, सूर्य कुलभूषण श्रीराम इक्ष्वाकु वंश की महानता को कलकल करती गंगा की तरह सदैव यशस्वी बनाये रखेंगे। द्वितीय भवन ज्योतिषीय ग्रंथों में द्वितीय भवन से जातक के नाक, कान, नेत्र, मुख, दंत, कंठ स्वर, सौन्दर्य, प्रेम आदि से जातक के व्यक्तित्व को देखा जाता है। भगवान श्रीराम सौन्दर्य की अद्भुत प्रतिमा तथा प्रेम के अर्थ को समझने के लिए तीनों माताओं के प्रति श्रद्धा, भाइयों के प्रति अगाध स्नेह, सुमंत से लेकर समस्त अयोध्यावासियों के प्रति कर्तव्यपरायणता, सुग्रीव, विभीषण आदि अनगिनत मित्रों के प्रति चिरस्मरणीय स्नेहमूर्ति तथा भार्या जनकनंदिनी सीता के प्रति अलौकिक प्रीति ने ही उन्हें लंकापति रावण से युद्ध की अनिवार्यता स्वीकारी थी।

तृतीय भवन

पवन पुत्र हनुमानजी के इष्ट प्रभु श्रीराम की कुंडली के तृतीय भवन में कन्या राशिगत स्वक्षेत्री राहु विराजमान हैं। तृतीय भवन बन्धु, पराक्रम, शौर्य, योगाभ्यास, साहस आदि का मीमांसा का गृह है। भगवान श्रीराम का शौर्य, पराक्रम तो राम-रावण के भीषण युद्ध में परिलक्षित होकर सदैव अविस्मरणीय रहेगा। भ्रात प्रेम में तो प्रभु श्रीराम का भरत प्रेम, जो समस्त प्रेमों की ज्ञानगंगा है।

चतुर्थ भवन

कौशल्यानंदन श्रीराम की जन्म कुंडली के चतुर्थ भवन में तुला राशि में उच्च राशिगत शनिदेव विराजमान हैं। ज्योतिष ग्रंथों में चतुर्थ भवन से व्यक्ति के अन्तरूकरण, सुख, शान्ति, भूमि, भवन बाग-बगीचा, निधि, दया, औदार्य, परोपकार, मातृ सुख आदि का निरूपण जातक की जीवन शैली में देखा जा सकता है। प्रभु श्रीराम की कुंडली का चतुर्थेश शुक्र, भाग्य भवन में अपनी उच्च राशि मीन में विराजमान हैं। उच्च राशिगत शनि प्रभु श्रीराम से मर्यादित जीवन के प्रति आग्रहशील हैं। भूमि, भवन का सुख तो चक्रवर्ती राजा के लिए सहज सुलभ हैं। अन्तरूकरण की दृष्टि से सर्वत्र प्रेम का अनुग्रह तथा दया और औदार्यता महर्षि गौतम की पत्नी अहिल्या को श्रापमुक्त कर पाषाण से नारी रूप प्रदान करना तथा शबरी के जूठे बेर खाना औदार्यता का सुखद पक्ष है। मातात्रय कैकेयी, कौशल्या, सुमित्रा के प्रति मातृ भक्ति सदैव स्तुत्यणीय एवं प्रेरणास्पद रहेगी।

पंचम भवन

लवकुश के पिता प्रभु श्रीराम की जन्म कुंडली में पंचम भवन में वृश्चिक राशि है। वृश्चिक राशि का स्वामी मंगल सप्तम भवन में उच्च राशि में (मकर में) विराजमान हैं। पंचम भवन से जातक की संतान, स्थावर जंगम, हाथ का यश, बुद्धि चातुर्य, विवेकशीलता, सौजन्य तथा परीक्षा में यश प्राप्ति से जुड़ी है। लवकुश के रूप में महान प्रतापी पुत्र तथा स्थावर संपत्ति के रूप अयोध्या का चक्रवर्ती साम्राज्य एवं अपनी बुद्धि-विवेक के बल सीता की खोज में सुग्रीव से मित्रता, लंका विजय में लंकापति रावण के अनुज विभीषण का युद्ध के पूर्व लंकापति बनाने के लिए राजतिलक करना तथा मर्यादा में रहते हुए खर दूषण, कुम्भकरण, लंकापति रावण से लेकर अनेक आतातायी असुरों का वध कर रामराज्य की स्थापना करना बुद्धिचातुर्य की रहस्यमयी परिणिति के सिवा और क्या है?

असुर विजेता राम

षष्टम् भवन - श्रीराम की जन्म कुंडली षष्टम् भवन धनु राशि अवस्थित है। षष्टम् भवन रोग, शत्रुओं से जातक की कथा व्यथा का सांकेतिक है। इस भाव से शत्रु कष्ट के अभाव से जुड़े प्रश्नों की रहस्यमयता को उजागर करते हैं।

श्रीराम की कुंडली का षष्ठेष धनु राशि के स्वामी देव गुरु वृहस्पति लग्न भवन में कर्क राशिगत चन्द्रमा के साथ अपनी उच्च राशि (कर्क) में विराजमान होकर गजकेसरी योग बना रहे हैं। जिसका सामान्य भाषा में

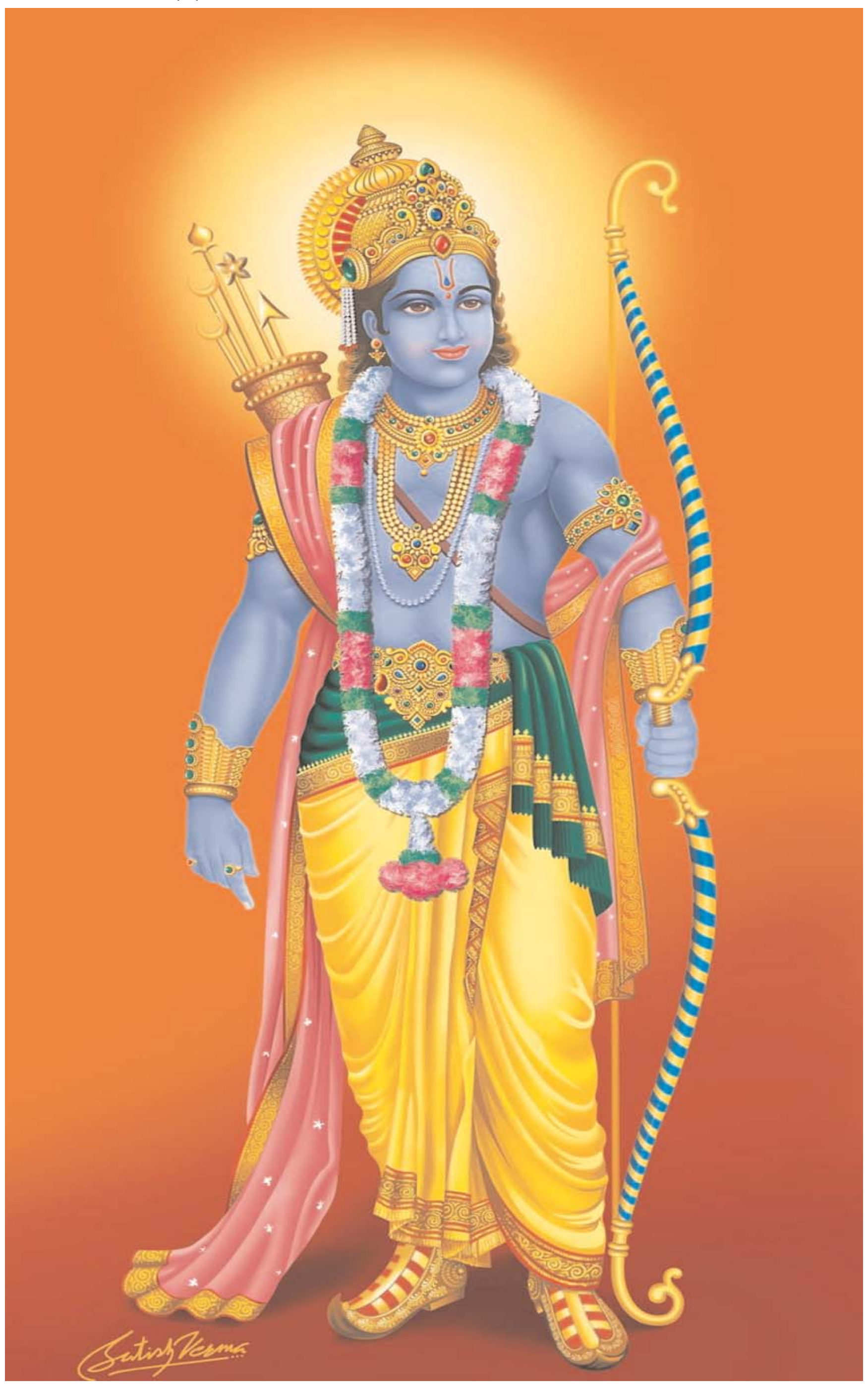

अर्थ है रू वनराज सिंह हाथियों को अपनी एक हुंकार (गर्जना) में भगा देता है। गज याने हाथी, केशरी याने सिंह। गुरु विश्वामित्र से शस्त्र शिक्षा में अनेक रहस्यमयी विद्याओं का ज्ञान प्राप्त किया। जिसका सर्वप्रथम प्रयोग ताड़का और सुबाहु के वध के रूप में घटित हुआ। श्री रामचंद्र जी ने जहां जहां अपने पग रखे, वहां उन्हें यश मिला। शत्रु विजय सीता स्वयंवर से लेकर खरदूषण तथा वानरराज बालि तथा दशानन रावण तक अनेक शक्तिशाली अपराजेय योद्धाओं का वध किया।

तुलसी की रामचरित मानस में

खरदूषण मो सम बलबन्ता। मार सकें न बिनु भगवन्ता।

रावण संहिता में दशानन रावण ने धनु राशिगत षष्टम् भवन की व्याख्या करते हुए लिखा है ऐसा जातक शत्रुओं का घमंड चूर करने वाला तथा अपने बड़ों को मान देने वाला होता है। त्रेतायुगीन राम ने धरती पर आसुरी शक्तियों का तो नाश किया, साथ ही अपने गुरुओं, ऋषियों-मुनियों को यथेष्ठ सम्मान देकर उनका मान भी बढ़ाया है।

सीता पति रघुनन्दन श्रीराम सप्तम भवन

रघुनन्दन श्रीराम की जन्म कुंडली के सप्तम भवन में मकर राशि में उच्च राशिगत भूमि पुत्र मंगल विराजमान हैं। सप्तमस्य मंगल होने से श्रीरामजी की कुण्डली मंगली बन गई। मंगल पंचमेश और राज्येश है। गजकेशरी योग की सप्तम दृष्टि दाम्पत्य जीवन को भी प्रभावित कर रही है। जनकनंदिनी सीताजी से उनका विवाह धनुषभंजन के बाद विवाह हुआ, किन्तु भूमि पुत्र मंगल उच्चासीन होकर कह रहे हैं। जातक को दाम्पत्य जीवन का सुख तो दूंगा, किन्तु अल्पकालीन।

सप्तम भवन

पारिवारिक झगड़े तथा भूत, भविष्य, वर्तमान की स्थिति का सिंहावलोकन भी किया जाता है। मंथरा की षडयंत्रमयी योजना ने कैकेयी की मति भ्रष्ट की। परिणितीवश श्रीराम को वनगमन, सीताहरण, आसुरी शक्तियों का विनाश, लंका विजय के पश्चात् अध्योध्या में राजतिलक, वैदेही सीता का त्याग, ऋषि वाल्मीकि के आश्रम में श्रीसीताराम के पुत्रों लवकुश का जन्म, जनकनंदिनी सीता का भूमि में प्रवेश। ये सारे कथानक सप्तमस्थ उच्च राशिगत मंगल की चेष्टाओं का फ्ल है।

रघुनंदन का आयु भवन

अष्टम भवन- श्रीराम जी की कुंडली में अष्टम भवन में कुम्भ राशि का स्वामी शनि चतुर्थ भवन में अपनी उच्चराशि तुला में विराजमान है। अष्टमेश शनि जातक की दीर्घायु का परिचायक है। किन्तु सप्तमेश और अष्टमेश शनि बलवान स्थिति में होकर जातक को दीर्घायु तो देता है, वहीं दूसरी ओर दाम्पत्य जीवन में अशुभता भी लाता है। साथ ही मृत्यु स्थान भी यह निर्धारित करता है। अष्टमेश शनि चतुर्थ भवन में होने से पारिवारिक विवाद के कारण वनगमन से सुख की हानि हुई। किन्तु वहां असुरों का विनाश कर यश मिला। रण रिपु अर्थात युद्ध क्षेत्रों में शत्रुओं का वमन भी किया। पृथ्वी से प्रस्थान के बाद चिरकाल तक यशोगाथा अनेक प्रतीकों में बनी रहेगी। यह भी उनके अष्टमेश उच्च राशिगत न्याय के देवता शनि की महिमा का फ्ल है।

भाग्य भवनस्थ शुक्र

श्री राघव की कुंडली का भाग्य भवन कम चमत्कारी नहीं है। भाग्य भवन का स्वामी नवमेश गुरु अपनी उच्च राशि कर्क में चन्द्रदेव की युति के साथ लगनस्थ है। भाग्येश गजकेशरी योग बन रहा है, लग्न भवन में। भाग्य भवन में उच्च राशिगत शुक्र चतुर्थेश तथा द्वादशेष का स्वामी है। माता से लेकर भूमि, भवन, वाहन (रथ) आदि सभी सुखों से पूरित रहे, किन्तु अपनी सप्तम् दृष्टि से पराक्रम भवन को निहारते शुक्र ने पराक्रम के प्रदर्शन का माध्यम नारी जाति को बनाया। शुक्र स्त्री ग्रह है। महर्षि गौतम की पत्नी अहिल्या की मुक्ति, रावण से युद्ध में विजयश्री प्राप्त कर अशोक वाटिका से जनक नंदिनी सीता जी की मुक्ति, बालि वध से सुग्रीव की पत्नी रोमा की मुक्ति, श्रीराम की यशोगाथा का एक पक्ष है। वहीं दूसरी ओर आसुरी शक्तियों का नाश कर ऋषियों तथा जन-जन को निर्भय जीवन दिया, यह प्रभु श्रीराम के भाग्य भवन का पुण्य प्रताप ही तो था।

दसमस्थ सूर्य बुध

रघुनंदन श्रीराम की कुंडली के दसम भाव अर्थात राज्य भवन में सूर्य के साथ बुध की युति बुध आदित्य योग तो बना रहा है, किन्तु बुध व्ययेश होने से राजतिलक होते होते 14 वर्षीय वनवास का योग बन गया। व्ययेश बुध ने राजयोग खंडित किया, क्योंकि व्ययेश जिस भवन में विराजमान होता, उसे किंचित सम्मान की हानि तो देता ही है। बुध ने ही उन्हें पिता के सुख से वंचित किया। किन्तु सूर्य उच्च राशिगत होकर राजभवन में विराजने से गौरव, ऐश्वर्य एवं नेतृत्व का स्वामी बनाया। पिता की आज्ञा से वन गये। पिता का मान बढ़ाया। आसुरी शक्तियों के विनाश हेतु वानर जाति की सेना का नेतृत्व कर विजयश्री प्राप्त की। अधिकार प्राप्ति के रूप में सम्राट बने अयोध्या के। ईश्वर प्राप्ति भी दसम भवन से देखी जाती है, तो जो स्वयं त्रिभुवनपति हो उसे अपनी भक्ति में लगाकर मोक्ष प्रदान कराने में बुध का योगदान महत्वपूर्ण है। क्योंकि द्वादश भवन मोक्ष का भवन भी है। अपनी भक्ति से अनेक साधु, संतों, भक्तों तथा पापियों को भी मोक्षगामी बनाने में पथ-पथ पर प्रेरणा दी। प्रभुता भी दसम भवन का एक गुण है। तो श्रीराम प्रभुता पाकर भी दीनों के प्रति भी सहृदय बने रहे, यही उनकी अनुग्रहमयी प्रभुता है। किन्तु स्मरणीय रहे। चतुर्थ भवन उच्चराशिगत शनि की सप्तम दृष्टि नीच राशि पर होने के कारण ही उन्हें वनवास में 14 वर्षीय वनवासी जीवन बिताना पड़ा। भले ही प्रकृति की रहस्यमयता आसुरी शक्तियों के विनाश के रूप में रूपांतरित हो गई हो। किन्तु मंगल की चतुर्थ स्वक्षेत्री दृष्टि और सूर्य के उच्च राशिगत प्रभाव से वनवास की समाप्ति के पश्चात् पुनरू राज्यारोहण ग्रहों की अपनी रहस्यमयी कलात्मक शक्तियों की ओजस्वीयता है।

एकादश- लाभस्थ भवन

एकादश भवन मूलतरू लाभ, सम्पन्नता, वाहन, वैभव, स्वतंत्र चिन्तन के रूप में ज्योतिषीय ग्रंथों में स्वीकारा गया है। जन-जन के प्रभु राम स्वतंत्र चिन्तन के रूप में नैसर्गिक अर्थात प्राकृतिक सम्पदाओं से मुक्ति का बोध कराते हैं। भक्तवत्सल श्रीराम का मानव से लेकर समस्त जीवों के प्रति उदार भाव तो था ही, किन्तु एकादशेष शुक्रभाग्य भवन में अपनी उच्च राशि मीन में विराजने से सभी के प्रति करुणा भाव बनाए रखने के प्रति संकल्पित रहे। अवतारी होने के बाद भी अपनी मानवीय मर्यादा में बने रहे। एक पत्नी व्रतधारी होने से उन्होंने सम्पूर्ण नारी समाज को गरिमा प्रदान की। मित्रों को सहोदर की तरह मान दिया। शत्रुओं के प्रति भी मानवीय मूल्यों का क्षरण उन्होंने नहीं स्वीकारा। वचन बद्धता राघव की निष्ठा का अमोघ शस्त्र रही।

मोक्ष का पर्याय द्वादश भवन

सीता पति राघव की कुंडली के बारहवें भवन में मिथुन राशि की स्थापना ने मर्यादा पुरुषोत्तम राम की कथनी करनी में कहीं भी अवरोध पैदा नहीं होने दिया। द्वादश भवन से ज्ञान तन्तु, स्वभाव, शान्ति, विवेक, व्यसन, संन्यास, शत्रु की रोक तथा धन, सुख, सम्मान का व्यय आदि का लेखाजोखा देखा जाता है। द्वादश भवन में मिथुन राशि होने सीता पति राघव भावुक थे। वैदेही हरण एवं लक्ष्मण को शक्तिलगने पर वे कैसे व्यथित हुए, यह तुलसीकृत रामायण में रोमांचकारी शब्द शैली में अंकित है। वनवास में राज सत्ता से 14 वर्षों तक दूर रहे, किन्तु पिता की आज्ञा को सर्वोपरि माना। सीता हरण में सुख और सम्मान का व्यय हुआ, किन्तु अपने विवेक से वानर सेना का नेतृत्व कर शत्रुओं पर रोक ही नहीं लगाई, अपितु उनका नाश भी किया। वनवासी राम ने एक संन्यासी के रूप में 14 वर्ष वनों में बिताए। किसी भी नगर में 14 वर्षों की अवधि में उन्होंने प्रवेश नहीं किया, ऐसे थे संन्यासी राम।

ब्रह्माण्ड नायक राम

राम, ब्रह्मवादियों का ब्रह्म, ईश्वरवादियों का ईश्वर, अवतारवादियों का अवतार, आत्मवादियों व जीववादियों का आत्म एवं जीव है। रामायण महाकाव्य बना। उतरोत्तर राम नाम के साथ साहित्य में भक्तिभाव का वातावरण बनता गया। ईसा के पांच सौ वर्ष के बाद इसका ज्यादा विस्तार हुआ तथा ईसा के एक हजार वर्ष बाद दाशरथि राम परमात्मा के रूप में गूंज गये। हमारी भारतीय सभ्यता के उषाकाल में साहित्य चार वेदों में था, जिनमें ऋग्वेद प्रथम था। वैदिक साहित्य में खेती की अधिष्ठात्री देवी का नाम सीता था, क्योंकि मूल में सीता लांगल पद्धति (खेत की हराई) थी। इसीलिए मिथिला में जनक के हल चलाते समय खेत में, जो नवजात बच्ची पाई गई, उसका नाम सीता रखा गया। ऋग्वेद में इक्ष्वाकु दशरथ और राम के नाम आए हैं। ऐतिहासिक ढंग से अध्ययन करने वाले प्रायरू समस्त विद्वान एक स्वर में कहते हैं कि महाभारत तथा प्रचलित वाल्मीकि रामायण के पूर्व राम कथा संबंधी आख्यान प्रचलित थे। ये आख्यान निश्चित रूप से बुद्धकाल के आसपास के रहे होंगे। इसी आधार पर भारत (महाभारत का प्रथम रूप) तथा बौद्ध जातक कथाओं में राम कथा के अंश आये हैं। वाल्मीकि रामायण में महाभारत के पात्रों तथा कथानकों की चर्चा नहीं है, परन्तु महाभारत के प्राचीन अंशों में रामकथा के पात्रों की चर्चा है। महाभारत के शान्ति पर्व के 29 वे अध्याय के 12 वें श्लोक में नारद संजय को उपदेश देते हुए कहते हैं कि संसार में कौन नित्य रहने वाला है। सुना गया है कि दशरथ पुत्र राम बड़े प्रजापालक थे, किन्तु उन्हें भी इस संसार से जाना पड़ा। महाभारत में भी राम का अवतार रूप पहुंच गया था। बौद्ध साहित्य में अनामक जातकम् के नाम से अन्य कथा भी है, जिसमें राम कथा है, इस जातक में राम-सीता का वनवास, सीताहरण, जटायु वृतान्त, बाली और सुग्रीव का युद्ध, सेतु बन्ध, सीता की अग्नि परीक्षा, इन सभी के संकेत मिलते हैं।

वाल्मीकि रामायण और अवतारवाद

रामकथा के स्फुट रूप देशी भाषा में बुद्धकाल के थोड़े पूर्व से ही उत्तरी भारत में प्रचलित थे। ईसा से 300 वर्ष पूर्व वाल्मीकि ऋषि ने रामकथा के स्फुट रूप एवं लोकगीत को एक काव्य रूप में गुंफ्ति किया। भगवतगीता के लेखक श्रीकृष्ण के मुख से कहलाते हैं रू मैं शस्त्रधारियों में राम हूं। श्रामरू षस्त्रभृतामहम् (गीता 10रू31) तक राम की प्रसिद्धि केवल शस्त्रधारी योद्धा के रूप में थी। किन्तु श्रीकृष्ण को अवतार के रूप में मान्यता पहले मिल चुकी, बाद में श्रीराम को। अवतारवाद के विकास में छठी या सातवीं शताब्दी में महात्मा बुद्ध भी विष्णु के अवतार माने जाने लगे।

पुराण साहित्य

हरिवंश पुराण, मार्केंडेय पुराण, ब्रह्माण्ड पुराण, विष्णु पुराण, वायु पुराण, मत्स्य पुराण, भागवत पुराण, कूर्मपुराण आदि सभी पुराणों में भगवान राम को विष्णु का अवतार मानने की बात दोहराई गई है। इसके आगे वाराह पुराण (800 ई.) अग्नि पुराण तथा स्कंद पुराण (900 ई.), लिंग पुराण, गरूण पुराण (1000 ई.) वामन पुराण और भविष्य पुराण अधिक अर्वाचीन हैं। इन सब पुराणों में रामावतार तथा राम भक्ति का प्राबल्य होता गया।

- पंडित पीएन भट्ट
अंतरराष्ट्रीय ज्योतिर्विद, अंकशास्त्री एवं हस्तरेखा विशेषज्ञ संचालक - एस्ट्रो रिसर्च सेंटर जी-4/4,जीएडी कॉलोनी, गोपालगंज, सागर (मप्र)
मोबाइल : 09407266609, 8827294576
फोन: 07582-223168, 223159

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

निकाली राशि जमा न करने पर दो सचिव निलंबित

शिवपुरी - जिला पंचायत के सीईओ उमराव सिंह मरावी द्वारा जिले में ग्राम पंचायतों के विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए निकाली गई राशि का उपयोग नहीं करने एवं वसूली राशि जमा करने के निर्देशों का पालन न करने पर दो सचिवों को निलंबित करने की कार्यवाही की गई है। जिला पंचायत के सीईओ उमराव सिंह मरावी द्वारा की गई कार्रवाई में पोहरी जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत जरियाकलां के सचिव सुरेंद्र शर्मा वर्तमान में ग्राम पंचायत वेसी में पदस्थ है, को निलंबित कर दिया गया है। इनके द्वारा जरियाकलां में अपनी पदस्थी के दौरान पर 2011-12 में आंगनवाड़ी भवन स्वीकृत किया गया था। उस कार्य के लिए 4 लाख रुपए प्रदान किए गए थे लेकिन आज दिनांक तक काम नहीं कराया गया। इस संबंध में पंचायत मध्य प्रदेश पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 92 के तहत वसूली प्रकरण क्रमांक दर्ज किया गया था। इसी तरह ग्राम पंचायत अतवेई के तत्कालीन सचिव नेपाल सिंह वर्मा के विरूद्ध भी 1 लाख 87 हजार 500 रुपये का वसूली आदेश जारी किया गया था लेकिन राशि जमा करने पर निलंबित कर दिया गया है। जिले में पंचायत की राशि निकालने वाले सचिवों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है।

कलेक्टर ने किया मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के शिविरों का अवलोकन

धार । कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा बुधवार को मनावर, गंधवानी क्षेत्र के भ्रमण पर रहे। उन्होंने ग्राम पंचायत बलेड़ी में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के शिविर का अवलोकन किया और निर्देश दिए की इस बात का ध्यान रखा जाए की महिलाओं का संयुक्त खाता न हो, जिनका खाता नहीं है उनका खुलवाए। इसके बाद वे शासकीय आदिवासी जूनियर बालक छात्रावास पहुंचे। यहां उन्होंने पानी की उचित व्यवस्था करने के लिए कहा और साफ सफाई में सुधार लाने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने यहां रसोई का भी अवलोकन किया और खाद्यान्न को देखा। ग्राम पंचायत केलीकला में उन्होंने कहा कि कॉमन सर्विस सेंटर संचालक भी यहां अपना स्टॉल लगाएं। जिससे इस कार्य को गति मिले और अधिक से अधिक आवेदन हो सके। यहां पर जल जीवन मिशन के कार्यों की मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि स्थानीय बोरिंग में विद्युत कनेक्शन की व्यवस्था जनपद पंचायत के माध्यम से करें। गंधवानी में तहसील कार्यालय पहुंचकर उन्होंने जनप्रतिनिधियों से चर्चा की यहां पर उन्हें पानी की समस्या की जानकारी मिली। जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पानी के दिक्कतों को दूर किया जाए। उन्होंने गंधवानी में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में निर्माणाधीन ऑडिटोरियम हॉल का निरीक्षण किया और निर्देश दिए कि सभी कार्य गुणवत्ता पूर्ण हो इसमें किसी प्रकार की कोई लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने प्राचार्य को निर्देश दिए कि बच्चों के लिए खेलकूद व संगीत क्लास की व्यवस्था करें। उन्होंने इसके लिए सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग को निर्देश दिए कि इन कार्यों के लिए राशि दी जाए।

मुनौवर अली को पीएचडी की उपाधि से हुए सम्मानित

शहडोल -ग्राम बुडवा तहसील व्यवहारी जिला शहडोल मध्य प्रदेश निवासी मुनौवर अली को अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा ने रसायन शास्त्र विषय में पीएचडी की उपाधि प्रदान की है उन्होंने मेहनत एवं लगन के साथ अपना शोध कार्य रिसर्च टॉपिक %%निकोटीनियम डाइक्रोमेट आरक्सीडेसन ऑफ ऐसिटोफिनोन्स एंड इवैलुएशन थर्मोडायनेमिक÷विषय पर पूर्ण किया है यह शोध कार्य उन्होंने डॉ नागमणि मानिकपुरी प्राध्यापक रसायन शास्त्र शासकीय नेहरू पीजी कॉलेज बुढार जिला शहडोल मध्य प्रदेश के निर्देशन में पूरा किया है जो वर्तमान में शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर के महाविद्यालय में रसायन शास्त्र विषय अध्यापन कराते हैं जिसके लिए शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर के प्राचार्य डॉ धर्मेंद्र कुमार द्विवेदी, श्रीअनिल वर्मा, डॉ मंगल सिंह अहिरवार, डॉ राजेंद्र वर्मा, डॉ ममता पांडेय, डॉ लवकुश दीपेंद्र, प्रो गजेंद्र परते, प्रो0 उत्तम सिंह पटेल, डॉ प्रमिला वास्केल, डॉ यदुवीर मिश्रा, डॉ कमलेश जयसवाल, श्री दिलीप शुक्ला, डॉ अर्चना जयसवाल, श्री विवेक पाठक, प्रो जसीम अहमद, प्रोआदित्य शुक्ला, प्रोसुखेंद्र सिंह पटेल, श्री प्रीतम सिंह परस्ते, अजीत कुशवाहा, कौशलेंद्र पयासी, सीतेंद्र पयासी,मनोज प्रजापति, विपिन गुप्ता एवं महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्य एवं छात्र- छात्राओं ने उन्हें बधाई दी है

श्रद्धालुओं द्वारा किया गया विशाल भंडारे का आयोजन

शहडोल -नवरात्रि के पावन पर्व पर सभी जगह शिव की शक्ति मां दुर्गा का लोगों द्वारा बड़े भक्ति भावपूर्ण से पूजा अर्चन किया जा रहा है क्योंकि कहा जाता है कि नवरात्रि के अवसर पर माता रानी स्वयं इस पृथ्वी लोक पर 9 दिन निवास करती है और अपने श्रद्धालुओं को धन, वैभव, यश, कीर्ति इत्यादि प्रदान करती है इन 9 दिनों में माता के नौ रूपों का वर्णन एवं नौ रूपों की पूजा अर्चन बड़े भक्ति भाव पूर्ण से किया जाता है इसी के साथ मिनी मैहर कहीं जाने वाली मां शारदा धाम घाटी डोगरी में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य पूजा अर्चन किया जा रहा है वहां पर लोगों की भीड़ ज्यादा तादाद में मां के दर्शन करने के लिए उमड़ती है वहां पर 9 दिनों तक लगातार लोगों की भीड़ बनी ही रहती है अष्टमी के दिन वहां पर श्रद्धालुओं द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें मसीरा पंचायत समिति के सदस्यों द्वारा इसका आयोजन किया गया समिति के सदस्यों में शालिग्राम तिवारी, शिवम द्विवेदी, प्रदीप मिश्रा, द्वारिका केवट, आलोक केवट, युवराज सिंह, मिथिला केवट, सुनील मिश्रा, पुष्पेंद्र केवट, प्रियम मिश्रा, विकास चतुर्वेदी रहे।

भारतीय थल सेना में भूतपूर्व सैनिकों के बच्चों की यूनिट हेडक्वाटर कोटा के आधार पर भर्ती

छतरपुर, ।कमाण्डर राम विशाल यादव (से.नि.) जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने बताया कि छतरपुर जिले के भूतपूर्व सैनिकों एवं विधवाओं के बच्चों के लिए 1 एसटीसी जबलपुर में यूनिट कोटे के आधार पर भारतीय थल सेना में अग्निवीर के रूप में भर्ती 10 अप्रैल से 14 अप्रैल 2023 को जबलपुर में आयोजित की जायेंगी। भर्ती जीडी, टेक्निकल व ट्रेड मैन अग्निवीरों के लिये आयोजित की जा रही है। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे सभी दस्तावेजों के साथ 1 एसटीसी जबलपुर में उपस्थित होकर भर्ती का लाभ उठायें।

निजी कंपनी द्वारा की जा रही थी बांध के नजदीक धुंआधार ब्लास्टिंग

● जल मिशन योजना के अंतर्गत जल बोर्ड शासन मध्यप्रदेश के उपक्रम द्वारा इंटकवेल बनाने का चल रहा कार्य ● जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण ने भी कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन ● सिचाई विभाग ने ब्लास्टिंग कंपनी के खिलाफ सांई खेडा थाने मे लिखित शिकायत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● बैतूल

ब्लास्टिंग कंपनी विक्रांन इंजीनियरिंग एंड एग्जिम प्रा . लिमि . कंपनी के खिलाफ सिचाई विभाग भैसदेही के फील्ड ऑफिसर एस डी ओ बलवंत मर्सकोले ने साईखेडा थाना ने लिखित सूचना शिकायत देकर प्रकरण दर्ज करने की मांग की है

श्री मर्सकोले कोले ने बताया है कि भैसदेही तहसील के अंतर्गत आने वाले घोघरी डेम से करीब लगकर ब्लास्टिंग कार्य कर रही ब्लास्टिंग कंपनी विक्रांन इंजीनियरिंग एंड एग्जिम प्रा . लिमि . कंपनी मुम्बई द्वारा बिना किसी अनुमति के बल्कि जानकारी दिए बिना ही ब्लास्टिंग का कार्य करने की सूचना मिली थी मौका निरीक्षण के दौरान पाया गया की था जिससे घोघरी डेम को बड़ा नुकसान भी होने सम्भावना है। इसलिए शिकायत थाने मे की गई है। हालकि इस मामले थाना प्रभारी साईखेड़ा द्वारा कोई मामला दर्ज नही किया गया है । इसी मामले को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष हेमंत वागद्रे ने भी कार्यवाही किये जाने को लेक बैतुल कलेक्टर अमनबीर बेष को ज्ञापन सौंपा है। ब्लास्टिंग के कार्य से डैम मे दरार पड़ने की आशंका जताई है । श्री वागद्रे ने कहा है। कि ब्लास्टिंग कंपनी मुंबई के द्वारा खनिज एवं सिंचाई विभाग से बिना अनुमति के कार्य किया जा रहा है। जिससे समय अवधि के पहले ही डैम मे दरार आ सकती है। बल्कि डेम की फूटने संभावना बनी रहेगी। किसान को सिंचाई के लिए पानी नही मिल पायेगा समूह जल प्रदाय योजना के तहत ग्रामीणों को पीने का पानी नहीं मिल पाएगा। ब्लास्टिंग कंपनी के द्वारा किए जा रहे । कार्यों को तुरंत रोकना चाहिए सिचाई विभाग द्वारा श्री मर्सकोले की शिकायत पर कम्पनी के विरुद्ध मामला भी दर्ज होना चाहिए ।

शासन की इस करोड़ो रुपए की राशि की योजना को एवं ब्लास्टिंग से होने वाली जनहानि दोनों को बचाया जा सकता है।

क्या है पूरा मामला

जल ग्रहण मिशन योजना के अंतर्गत जल बोर्ड शासन मध्यप्रदेश उपक्रम के द्वारा विधानसभा मुलताई एवं बैतूल के गांव मे ग्रामीणों को पीने के पानी की सप्लाई करने के लिए घोघरी डेम के नजदीक ब्लास्टिंग कंपनी के द्वारा गड्ढा खोदा जा रहा था जिसमे पानी को इकठ्ठा करके फिल्टर करके अंडर ग्राउंड डालकर पाइप लाइन के जरिये गांव मे पानी की टांकी बनवाकर फिर गांव के ग्रामीणों को पीने का पानी उपलब्ध करवाया जाना था ।

इनका कहना है

प्रोजेक्ट लगभग तीन सौ करोड़ रुपए के बजट हो सकता है। लेकिन नीचे काली चट्टान होने के कारण ब्लास्टिंग की जा रही थी। फिलहाल ब्लास्टिंग का कार्य रुकवा दिया गया है ।

सुपर वाईजर नितिन माथनकार

सिचाई विभाग के एस डी ओ ने ब्लास्टिंग कम्पनी मुंबई के विरुद्ध लिखित शिकायत की है जांच जा रही है। मामला दर्ज किया जा सकता है।

प्रज्ञा शर्मा
थाना प्रभारी सांई खेडा

भव्य रामनवमी जन्मोत्सव आज

शिवपुरी-जन-जन के आराध्य भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव को लेकर विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल संगठन के द्वारा इस बार वृहद स्तर पर तैयारियां की जा रही है। यहां समस्त जनमानस से आह्वान किया गया है कि इस भव्य धार्मिक आयोजन की सहभागिता में हरेक नागरिक अपना दायित्व निभाऐं और आयोजन को सफल बनाऐं। कार्यक्रम को लेकर वृहद स्तर पर तैयारियां की जा रही है। घर-घर जनसंपर्क, ग्राम-ग्राम बैठकों का दौर लगातार जारी है। इस दौरान निकाली जाने वाली भव्य शोभायात्रा में हाथी, घोड़े और बग्गी पर सवार संत-महात्मा आर्शीवाद प्रदान करेंगे। शहर में रामनवमीं के कार्यक्रम को लेकर जबर्दस्त उत्साह देखने को मिल रहा है और व्यापक तैयारियां की गई है। भव्य श्रीराम जन्मोत्सव के रूप में होने वाले रामनवमीं के विशाल कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बजरंग दल के नरेश ओझा, उपेन्द्र यादव एवं विनोदुपरी गोस्वामी के द्वारा संयुक्त रूप से बताया गया कि रामलला के दर्शन करने और उन्हें स्थापित करने की तैयारियां भले ही अयोध्या में चल रहीं हो लेकिन इस भव्य स्वरूप के हम भी साक्षी बनें और इस बार मनाए जाने वाले राम जन्मोत्सव के रूप में मनाए जाने वाले रामनवमीं कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता हो इसे लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही है। शहर में आज 30 मार्च को दोप.12 बजे से भव्य शोभायात्रा में भगवान श्रीराम की आकर्षक झांकी और भव्य विमान निकाले जाऐंगें जिसकी शुरूआत स्थानीय श्रीराधा-कृष्ण मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होगी जाो शहर के गुरूद्वारा, राजेश्वरी रोड़, कोर्ट रोड़, न्यू ब्लॉक से होते हुए माधवचौक पर भव्य श्रीराम भगवान एवं भारत माता की आरती के साथ कार्यक्रम समापन किया जाएगा। इस भव्य आयोजन के रूप में निकाले जाने वाले विशाल चल समारोह में समस्त हिन्दू समाज सहित शहर के हरेक नागरिक से इस आयोजन में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह विश्व हिन्दू परिषद बजरंगदल संगठन के द्वारा किया गया है।

गांधी प्रतिमा के नीचे कांग्रेसियों का भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन

इटारसी// गांधी प्रतिमा के समीप मोन सत्याग्रह कर विरोध प्रदर्शन कांग्रेस के पदाधिकारियों द्वारा किया गया । इटारसी अल्पसंख्यक विभाग के नगर अध्यक्ष इरफान गोलंदाज के द्वारा कार्यक्रम की गरिमामय उपस्थिति के लिए समस्त कांग्रेसजन उपस्थित हुए । कार्यक्रम प्रारंभ होने से पूर्व सभी ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तय समय पर सत्याग्रह का कार्यक्रम कर विरोध प्रदर्शन किया । कांग्रेसजनों का मुख्य उद्देश्य था कि भाजपा सरकार के द्वारा जो तानाशाही और भ्रष्ट नीति के खिलाफ पूरे देश में जो विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं उसी तारतम्य इटारसी में भी विरोध प्रदर्शन कर कार्यक्रम को सफल बनाना । प्रदर्शन के दौरान अपने वक्तव्य में उपस्थित वरिष्ठ जनों ने भाजपा सरकार की भ्रष्ट नीतियों के खिलाफ जमकर हल्ला बोला ।

सेवादल यंग ब्रिगेड के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष गजानन तिवारी ने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भाजपा की भ्रष्ट नीति और तानाशाही रवैया के खिलाफ आज देश में आक्रोश है । उन्होंने कहा कि दुर्भावना बस भाजपा के कहने पर सरकारी तंत्र का गलत उपयोग किया जा रहा है , हम उसकी कड़ी निंदा करते हैं। कांग्रेसियो ने कहा कि देश की जनता को भाजपा सरकार का सत्य बताकर मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए आंदोलन निरंतर करती रहेगी ।

वही नगर अध्यक्ष मयूर जयसवाल ने कहा कि अल्पसंख्यक विभाग के द्वारा किए गए कार्यक्रम को ताकत देने के लिए समस्त कांग्रेस जन उपस्थित हुए । कांग्रेसियों ने नरेंद्र मोदी को सद्बुद्धि प्रदान करने के लिए ईश्वर से कामना भी की। इस दौरान मुख्य रूप से लाली सलूजा , कांग्रेश सेवादल यंग ब्रिगेड के कार्यकारी अध्यक्ष गजानन तिवारी ,नगर अध्यक्ष मयूर जयसवाल ,सुरेंद्र पाल भाटिया ,भरत राजपूत ,पवन बोहरा ,यूथ कांग्रेस अध्यक्ष यंग ब्रिगेड अध्यक्ष रमजान भाई , दिनेश, राहुल दुबे ,गोल्डी बेस, प्रशांत श्रीवास ,सहित अन्य कांग्रेसी उपस्थित रहे ।

खंडवा जिले में गेहूं के 72 तथा चने के 27 उपार्जन केन्द्र संचालित

खण्डवा । जिला आपूर्ति अधिकारी खण्डवा द्वारा बताया गया कि जिले में 27 चना उपार्जन केन्द्रों का निर्धारण किया गया है। जिला उपार्जन समिति की अनुशंसा के आधार पर निर्धारित गेहूं व चना उपार्जन केन्द्र में संशोधन किया गया है। इसके तहत सेवा सहकारी समिति के मण्डी स्तरीय चना खरीदी को संशोधित कर मंजू पटेल वेयर हाउस गोंडखेड़ा में गोदाम स्तरीय केन्द्र में स्थापित किया गया है, मंजू पटेल वेयर हाउस गोंडखेड़ा में उपार्जित गेहूं का परिवहन कर सेंट्रल वेयर हाउस खण्डवा में भण्डारित किया जायेगा तथा कृषक सहकारी विपणन एवं प्रक्रिया समिति मर्यादित (मार्के) खालवा में समिति स्तरीय गेहूं उपार्जन केन्द्र को संशोधित कर दिव्यशक्ति वेयर हाउस खालवा में गोदाम स्तरीय केन्द्र में स्थापित किया गया है।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण

क्रमांक 635 ज.सं./भो.वि.प्रा./ 23 भोपाल, दिनांक 29/03/2023

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की साकेत नगर योजना में स्थित भवन क्रमांक 386 सेक्टर 9 ए श्रीमती सरोज शर्मा पत्नी स्व.श्री ताराचन्द्र शर्मा के नाम अंकित है। आवंटी श्रीमती सरोज शर्मा का स्वर्गवास दिनांक 18.07.2022 को हो जाने के कारण आवंटी के वारिस श्रीमती इंद्रिरा शर्मा अनुशर्मा एवं श्री हर्ष शर्मा द्वारा आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयत एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त भवन का नामांतरण अपने नाम पर चाहा है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजो के साथ के साथ इस कार्यालय को अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/ आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी

आम आदमी पार्टी के उपाध्यक्ष बनने पर सुबेग सिंह शीतल का कार्यकर्ताओं ने किया फूल मालाओं से स्वागत

ओबैदुल्लागंज। प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए आम आदमी पार्टी ने अपनी तैयारी प्रारंभ कर दी है इसी संदर्भ में पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री व राज्यसभा सांसद संदीप पाठक जी ने प्रदेश के साथ रायसेन जिले में नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की है।

इसी के तहत संतोष चौकसे जिला अध्यक्ष बनाया गया है। जिला उपाध्यक्ष के रूप में सुबेग सिंह शीतल , शिवराज सिंह राजपूत(बरेली), ओम देव पटेल(सिलवानी), को नियुक्त किया गया है। जिला सचिव ,सुनील रघुवंशी(सिलवानी) को बनाया गया। साथ ही जिला संयुक्त सचिव के रूप में अर्पित श्रीवास्तव (बाड़ी), शैलेंद्र रघुवंशी (देवरी) और प्रमोद कुमार बेलदार (रायसेन) को नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी औबेदुल्लागंज के सुबेग सिंह शीतल के जिला उपाध्यक्ष बनने परओबैदुल्लागंज के कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से सुबेग सिंह शीतल का स्वागत किया दीपक एडवोकेट माखन सिंह आसिफ पठान सुरेंद्र रैकवार अंकित यादव अतीक सिद्दीकी केदार सिंह मनजीत सिंह बलवीर राजपूत रजनीश लकी गुर्जर आकाश वर्मा विनोद नायक अखिल चौहान रविंदर कौर राधिका सुनीता आदि ने जिला उपाध्यक्ष बनने पर शीतल को बधाइयां प्रेषित की

कार्यालय थाना प्रभारी थाना निशातपुरा जिला भोपाल

क्रमांक अपराध क्र. 82/2023 दिनांक 27/03/2023

आमसूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 24/01/2023 को सूचक फरियादिया सुशीला अहिरवार पति स्वं. विजयसिंह अहिरावर उम्र 32 साल नि. जिंद बाबा के पास रतन कालोनी करोंद भोपाल ने रिपोर्ट कर बताया कि उसकी लडकी अंजू अहिरवार दिनांक 23/01/2023 को वह दोपहर 12.00 हाऊसिंग बोर्ड कोचिंग के लिये गई थी जो शाम तक वापस नही आई तलाश करने पर कोई पता नही चला जो रिपोर्ट पर दिनांक 24/01/23 को गुम इंसान क्र. 17/23 कायम कर जांच पर फरियादिया सुशीला अहिरवार कि नाबालिंग लडकी अंजू अहिरवार उम्र 16 -1/2 साल को दिनांक 23/01/2023 को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर ले गया है जांच पर दिनांक 24/01/23 को अपराध क्र. 82 / 2023 धारा 363 भादवि का कायम कर विवेचना मे लिया गया । गुमशुदा / अपहर्ता का हुलिया रंग गोरा, कद करीब 5 फिट, चेहरा गोल, ग्रे कलर का प्रिन्ट वाला कुर्ता व काले रंग का प्लाजो व काले रंग की चुनरी चेहरे पर मुआसो के धब्बे पैरो मे चप्पल तथा नमा मे लोंग पहने है । जिसकी तलाश करने पर कोई पता नही चला है । अतः आमजन से निवेदन है गुमशुदा अपहर्ता अंजू अहिरवार के संबंध मे यदि किसी को पता चले व कोई जानकारी प्राप्त होती तो थाना निशातपुरा भोपाल को सूचित करने की कृपा करे ।

संपर्क नंबर - 1.0755-2677390 (2) 7049126323

जी-25196/22

थाना प्रभारी
थाना निशातपुरा भोपाल

नवागत डीआईजी ललित शाक्यवार ने संभाला पदभार

कानून व्यवस्था का पालन कराना पुलिस का दायित्व-डीआईजी

छतरपुर। हाल ही में डीआईजी के रूप में स्थानांतरित होकर आए आईपीएस ललित शाक्यवार ने पदभार संभाल लिया। डीआईजी के रूप में पदभार संभालने के बाद मीडिया से मुलाकात करते हुए ललित शाक्यवार ने कहा कि कानून व्यवस्था का पालन कराना पुलिस का दायित्व होता है और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना उसका कर्तव्य है। उन्होंने अपने पुलिस अधीक्षक के कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि छतरपुर के लोग अत्यंत सुलझे हुए हैं। यहां पहले ही सबका सहयोग मिला है और उम्मीद है आगे भी सहयोग बना रहेगा।

डीआईजी ललित शाक्यवार ने कार्यभार ग्रहण करते हुए कहा कि छतरपुर की मीडिया ने जनता और पुलिस के बीच एक सकारात्मक जुड़ाव का कार्य किया है। मीडिया के माध्यम से जनता की समस्याएं सामने आती हैं जिन्हें हल करने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने कहा कि डीआईजी रेंज के थानों में लोगों को पुलिस के पास जाने से भय नहीं होना चाहिए और आसपास होने वाली गैरकानूनी गतिविधियों से लोगों को पुलिस को आगाह करते रहना चाहिए।

नवागत पुलिस अधीक्षक ने पदभार संभाला

संवेदनशील पुलिस देने का करेगें प्रयास

छतरपुर। नवागत पुलिस अधीक्षक अमित सांघी ने मंगलवार को पद्भार ग्रहण कर लिया। मीडिया से मुखातिब होकर उन्होंने अपनी प्राथमिकताएं बताईं। एसपी ने कहा कि संवेदनशील पुलिस देने का प्रयास करेंगे ताकि थाना स्तर की समस्या वहीं पर हल हो जिला मुख्यालय आने की आवश्यकता न पड़े। मीडिया से पहली मुलाकात के दौरान नवागत एसपी अमित सांघी ने कहा कि हर जिले में अपराध और अपराधी का एक पैटर्न होता है। अपराध और अपराधी पर नकेल कसने के लिए कार्ययोजना बनाई जाती है। दो-तीन दिन में जिले का पैटर्न समझकर कार्ययोजना तैयार की जाएगी ताकि अपराध और अपराधी पर सख्त कार्यवाही हो सके। उन्होंने कहा कि हर शिकायत गंभीर होती है इसलिए शिकायत को गंभीरता से लेकर उस पर कार्य किया जाएगा। एसपी की बातों से थाना प्रभारियों को साफ संदेश जा रहा है कि यदि समस्या थाना स्तर पर नहीं सुलझी तो इसका खामियाजा थानेदार को भुगतना पड़ेगा। पीड़ित को त्वरित और स्थानीय स्तर पर न्याय दिलाना हमारी जिम्मेदारी है।

कार्यालय नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा (म.प्र.)

शुक्ला ग्राउण्ड के पास वार्ड नं. 39 छिंदवाड़ा 480001 दूरभाष एवं फैक्स नंबर 97162-222346

ई-मेलcommchhindwara@mpurban.gov.in commissioner.chhindwara.mpurban@gmail.com
वेबसाइट chhindwaranaganiagam.com

निविदा सूचना

क्रमांक/7531/नपानि/ 2022-23 छिंदवाड़ा, दिनांक 29.03.2023

एतद् द्वारा समस्त किराना सामग्री सप्लायर/ समस्त भोजनालय संचालक/ केटरिंग व्यवसायियों (FSSAI) अधिकृत लाईसेसधारी अनिवार्य व्यवसायियों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2023_UAD_262202_1 Datr- 01.04.2023	छिन्दवाड़ा नगर निगम के द्वारा संचालित गोधुलि वृद्धाश्रम छिंदवाड़ा में निवासरत वृद्धजनों को प्रतिदिन सुबह शाम भोजन एवं चाय/नाश्ता उपलबंध कराने हेतु ठेकेदार नियुक्त किये जाने के संबंध में निविदा आमंत्रण	1 मार्च 2024	1. 5000/- 2. 26244/-	01.05.2023

नोटः-
निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाइट पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम, छिंदवाड़ा

वरुण माहेश्वरी ने समग्र की छठी पुस्तक का विमाचन

पचास साल की शब्द यात्रा के विविध आयामों को समेटे छह खण्डों वाले मेरे रचना समग्र के प्रकाशन की पूर्णाहुति आज चैत्र नवरात्रि में अष्टमी के दिन उस समय हुई, जब ज्ञानमुद्रा पब्लिकेशन भोपाल के युवा प्रकाशक श्री वरुण माहेश्वरी ने समग्र की छठी पुस्तक %सिने सरोकार% की लेखकीय प्रतियाँ न केवल घर आकर सौंपी, बल्कि स्वयं अपने हाथों से मिठाई खिलाकर मुंह भी मीठा कराया। पुस्तक प्राप्त होते ही रायपुर से वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार श्री गिरीश पंकज जी से फोन पर पहली बधाई मिलना भी सौभाग्यशाली रहा। रचना समग्र की अन्य पांच पुस्तकें आस छपास %छपा अनछपा% %लिखा तो छपा% %खूब लिखा खूब छपा% %सिने झरोखा% और %सिने सरोकार% शीर्षक से पहले ही आ चुकी हैं। सभी पुस्तकों के आकर्षक कलात्मक आवरण, रचनात्मक पेज डिजाइन और उत्कृष्ट छपाई एवं बाइंडिंग आदि ने समूचे रचना समग्र की गुणवत्ता बढ़ाकर आशा से अधिक लेखकीय संतोष प्रदान किया है। इस संकल्प के सफल क्रियान्वयन के लिए एक बार पुनः श्री वरुण माहेश्वरी के कुशल नेतृत्व वाली टीम Gyaanmudra Publication Bhopal के प्रति हृदय से आभार.. धन्यवाद।

उन संपादकों से हुकूमतें ख़ौफ़ खाती थीं

प्रसंगः पुस्तक , धर्मवीर भारती ग्रंथ

राजेश बादल

जब इंसान की नज़र और नीयत में ईमानदारी होती है तो उससे बड़ी से बड़ी सत्ताएँ भयभीत रहती हैं। महात्मा गाँधी से डरकर गोरा वाइस रॉय अपने परिजन को चिट्ठी लिखता है कि इस मुल्क़ का असली वाईसरॉय तो एक अधनंगा फ़क़ीर है। उसके पीछे करोड़ों लोग चलते हैं। वही गांधी ,जो अँगरेज़ सरकार के क़ानून को नहीं मानता। वह बिना इजाज़त अखबार निकालता है और वही लिखता है ,जो उसका जी चाहता है।अभिव्यक्ति की आज़ादी को वह इंसान का मौलिक अधिकार समझता है। हर तानाशाह असहमति के सुरों से डरता है। स्वतंत्रता के बाद भी ऐसा ही एक गाँधी राजेंद्र माथुर के रूप में आता है। वह सिर्फ़ सच लिखता है। संसार की सबसे ताक़तवर महिला इंदिरा गांधी को वह सात मुद्दे लिखकर आईना दिखाता है। नतीज़तन इंदिरा गाँधी शब्दों पर अंकुश लगाने के लिए माफ़ी माँगती हैं। इसी श्रेणी में एक संपादक धर्मवीर भारती आता है ,जो सेंसरशिप के विरोध में और लोकतंत्र के पक्ष में धर्मयुग के पन्ने भर देता है। ऐसे ही बेखौफ संपादक इस राष्ट्र में निष्पक्ष पत्रकारिता के प्रतीक बन जाते हैं और प्रतीक कभी नहीं मरते। वे विचारों की तरह हरदम अवाम के दिल में धड़कते रहते हैं।

राजेंद्र माथुर पर मेरी एक पुस्तक सदी का संपादक शीघ्र ही आ रही है।लेकिन इस बीच वरिष्ठ मित्र प्रेम जनमेजय ने धर्मवीर भारती पर एक नायाब ग्रन्थ हम पाठकों को तोहफ़े की शक्ल में सौंपा है।राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने माने क़रीब सत्तर लेखकों ने इस यज्ञ में अपनी आहुति दी है।इनमें एक मेरी भी है।पुस्तक के लेखों के हवाले से हम धर्मवीर भारती के उन रूपों को जानते हैं ,जो अब तक हमारे सामने नहीं आए थे।जिन शब्दसितारों ने एक नए धर्मवीर भारती को प्रस्तुत किया है,उनमें अमृतलाल नागर,कमल किशोर गोयनका ,शरद जोशी,शीला झुनझुन वाला,चित्रा मुदगल,त्रिलोकदीप ,हरीश पाठक,डॉक्टर ज्ञान चतुर्वेदी और विश्वनाथ सचदेव जैसे हस्ताक्षर भी हैं।अपनी विशिष्ट शैली में प्रेम जी,जॉर्ज ऑरवेल का ज़िक्र करते हुए लिखते हैं,÷ जो अतीत को नियंत्रित करता है ,वही भविष्य को नियंत्रित करता है।जो वर्तमान को नियंत्रित करता है ,वह भूत को नियंत्रित करता है।तो क्यों न हम सब मिलकर धर्मयुग के उस युग को स्मरण शब्दों से जीवित करें ÷।ज़ाहिर है धर्मयुग के शिल्पी धर्मवीर भारती को जाने बग़ैर यह संभव नहीं है।पर,धर्मयुग का धर्मवीर भारती बेहद रूखा ,सख्त और कड़क इंसान था। उनके दफ़्तर में कोई जाए तो सोच भी नहीं सकता था कि इसी गर्वीले,रौबीले संपादक ने कभी गुनाहों का देवता जैसा उपन्यास भी लिखा होगा। मित्र हरीश पाठक उनके इस मिजाज़ के बारे में लिखते हैं,÷दहशत का आलम यह था कि भारती जी के केबिन में जाने से पहले कोई अपने गुरु को याद करता तो कोई हनुमान जी को। यह डॉक्टर धर्मवीर भारती का आतंक ,प्रभाव या जलवा ही था। आप जो चाहें कह लें। वे हिंदी के ऐसे इकलौते संपादक थे ,जो चौबीस घंटे धर्मयुग के बारे में ही सोचते थे ÷।

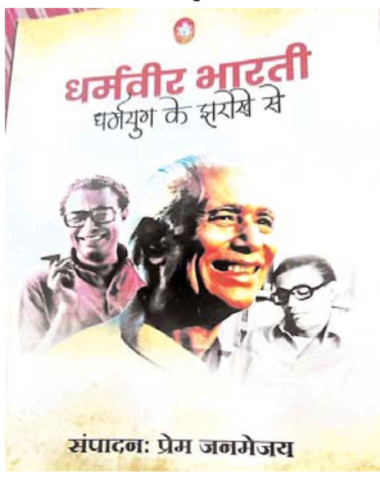

पदमश्री डॉक्टर ज्ञान चतुर्वेदी पचास बरस पहले जब व्यंग्य लेखन की शुरुआत कर रहे थे ,तो डॉक्टर भारती ने ही उन्हें गढ़ा।उस दौर में उनकी कुछ रचनाएँ लगातार लौट कर आती रहीं।ज्ञान जी को लगा कि कोई उप संपादक उनकी रचनाओं को लौटा रहा है। तनिक खिन्न होकर ज्ञान जी ने उन्हें चिट्ठी लिखी।भारती जी का उत्तर आया,÷ आपकी सारी रचनाओं को मैंने ही देखा है और वापस किया है। भविष्य में भी जब तक आप पिछली रचना से आगे बढ़े नहीं दिखेंगे,हम नहीं छापेंगे। अपनी हर रचना में आप कुछ आगे बढ़ते मिलें तो मुझे ख़ुशी होगी। दूसरों से अपनी तुलना न करें कि किसकी कौन सी कमज़ोर रचना छप गई। आपकी प्रतियोगिता बस आपसे है। बार बार खुद को आप हरा सकें तो ही हम आपको धर्मयुग में छाप सकेंगे ÷।अब बताइए आज के दौर में क्या कोई संपादक अपने रचनाकारों को इस तरह रचने का काम करता है ?

हाँ - एक तथ्य इस समूचे ग्रन्थ में उपेक्षित सा रह गया। एक - दो आलेखों में आंशिक ज़िक्र आया है। पर वह धर्मवीर भारती को समग्रता से समझने के लिए पर्याप्त नहीं है। जाने - अनजाने में धर्मवीर भारती की पहली पत्नी कांता भारती ,उनसे भारती जी के तनावपूर्ण रिश्ते ,अलगाव और भारती जी के पुष्पा जी से दूसरे विवाह की अंतर कथा इस ग्रन्थ से अनुपस्थित है। दरअसल गुनाहों का देवता भारती जी की ज़िंदगी का ही एक हिस्सा है ,जिसमें उनकी पहली पत्नी कांता जी के साथ न्याय नहीं हुआ। कांता जी को महसूस हुआ कि वे छली गईं। इसके बाद ही उन्होंने अपने पर लगे आरोपों का उत्तर देते हुए रेत की मछली नाम से एक उपन्यास लिखा। चूँकि कांता जी से भी मेरी मुलाक़ात हुई थी और उनसे मैं पीड़ा भरी दास्तान सुन चुका था। इसलिए लगता है कि इस कथा को बेबाक़ी से प्रस्तुत किया जाना चाहिए था। अतीत के प्रेत कभी इंसान का पीछा नहीं छोड़ते। इतिहास में कई कहानियाँ इसका सुबूत हैं। कांता - कथा उजाग़र होने से भारती जी के क़द पर कोई असर नहीं पड़ता। वे हमारे दिलों में पहले की तरह ही धड़कते रहेंगे। मैनें राज्यसभा टीवी के दिनों में भारती जी पर एक बायोपिक बनाने का विचार किया था। लेकिन पुष्पा भारती जी की शर्त थी कि वे पटकथा को एप्रूव करेंगीं। यह शर्त कोई भी स्वीकार नहीं कर सकता। मैंने भी नहीं मानी। इस कारण आज तक भारती जी पर कोई फ़िल्म नहीं बन सकी। फिर भी धर्मवीर भारती - धर्मयुग के झरोखे से एक अनमोल ग्रन्थ बन पड़ा है। यह ग्रन्थ चंद रोज़ पहले प्रेम जी ने मुझे दिया। उनके पश्चिम विहार स्थित सार्थक अपार्टमेंट के निवास में देर तक समकालीन पत्रकारिता और साहित्य पर चर्चा हुई।मौजूदा कालखंड में राजेंद्र माथुर ,धर्मवीर भारती तथा शरद जोशी और शिद्दत से याद आते हैं। मेरे साथ राज्य सभा टीवी में सहयोगी रहे लेखक और पत्रकार रितु कुमार भी चर्चा में साथ थे।यहाँ कुछ चित्र मेरे आलेख के भी हैं। एक चित्र प्रेम जी के साथ है।

फ्लिपकार्ट फैशन ने सूर्य कुमार यादव के साथ मिलकर लॉन्च की द इंडियन गैराज कंपनी

मुंबई, एजेंसी। भारत के पसंदीदा फैशन डेस्टिनेशन फ्लिपकार्ट ने भारत में न्यू जेनरेशन के सबसे पसंदीदा ब्रैंड्स में से एक इ इंडियन गैराज कंपनी द्वारा क्रिकेटर सूर्य कुमार यादव के साथ मिलकर पेश नवीनतम कलेक्शन को अपने प्लेटफॉर्म पर लॉन्च करने की घोषणा की है इस लॉन्च के चलते पुरुषों की स्टाइलिश कैजुअल वियर की विस्तृत रेंज देशभर में फ्लिपकार्ट के लाखों ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगी द इंडियन गैराज कंपनी उन फैशन कद्रदानों के लिए मनपसंद ब्रैंड है जो अपने स्टाइल के साथ नए प्रयोग करते हुए भीड़ से अलग दिखना चाहते हैं इस कलेक्शन में, पुरुषों के कैजुअलवियर में 2,500 से अधिक स्टाइल्स शामिल हैं जिनमें ट्रैंडी शट्‌र्स और चिनोज प्रमुख हैं। फ्लिपकार्ट ने पिछले एक साल के दौरान कैजुअल वियर सैगमेंट में वर्ष दर वर्ष 35प्रतिशत ग्रोथ दर्ज की है। अभिषेक मालू, सीनियर डायरेक्टर, फ्लिपकार्ट फैशन ने कहा फैशन लैंडस्केप की अच्छी समझ रखने के चलते हम पिछले कुछ वर्षों में देशभर में फैशन को लेकर सचेत ग्राहकों के लिए बेहतरीन पेशकश करते रहे हैं। फ्लिपकार्ट में, हमने पिछले कुछ वर्षों के दौरान, पुरुषों की कैजुअल वियर रेंज में लोकप्रियता दर्ज की है, और महानगरों तथा टी2 क्षेत्रों में रहने वाले ग्राहकों के लिए 'एचरीडे वियर' तथा विस्तृत स्टाइल को उपलब्ध कराया है। कैजुअल वियर सैगमेंट में ग्राहकों की अलग-अलग किस्म की जरूरतों को पूरा करने के लिए डी2सी ब्रैंड्स लगातार बढ़ रही हैं, और यही वजह है कि इस श्रेणी में जबर्दस्त विकास देखा जा रहा है। इंडियन गैराज कंपनी एक्स सूर्य कुमार यादव कलेक्शन फैशनेबल और कम्फ्र्टेबल क्लोदिंग में लगातार बढ़ती मांग को पूरा कर रहा है। हम सभी ब्रैंड्स और सैलर्स के लिए सुलभ मार्केटप्लेस बनने का इरादा रखते हैं और देश में बढ़ती फैशन जरूरतों को पूरा करना चाहते हैं, यह लॉन्च हमारी इसी सोच को आगे बढ़ाने वाला कदम है।

सपनों की छलांग की एक्टर कशिश दुग्गल कहती हैं, एक मां अपनी बेटी की पहली दोस्त होती है

मुंबई, एजेंसी। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन की आगामी फिक्शन पेशकश सपनों की छलांग दर्शकों के लिए आज की एक ऐसी लड़की की कहानी लेकर आया है, जो अपने सपनों की कंपनी में कामयाब होने का पक्का इरादा रखती है। उसका बस एक ही सवाल है - एक लड़की अपने सपनों को पूरा करने के लिए एक अनजान शहर में अपने सपनों की छलांग क्यों नहीं लगा सकती ? इस शो की नायिका राधिका (मेघा रे द्वारा अभिनीत) ऐसे कई लोगों के लिए एक मिसाल बनना चाहती है, जो इस तरह के बंधनों को तोड़ना चाहते हैं और अपने लिए एक नया रास्ता बनाते हुए एक नए शहर में विश्वास की छलांग लगाना चाहते हैं। राधिका के सपनों को उड़ान देने वाली उनकी सबसे बड़ी सपोर्ट सिस्टम हैं उनकी मां सुमन, जिनका किरदार टैलेंटेड एक्ट्रेस कशिश दुग्गल निभाएंगी। बॉलीवुड फिल्मों और टेलीविजन शोज़ में काम करने के बाद कशिश दुग्गल अब सुमन यादव के खास रोल में अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं - एक गर्व से भरी मां, जो अपनी बेटी की सबसे बड़ी समर्थक भी है।

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के इंडियन आइडल - सीज़न 13 को मिले टॉप 6 फाइनलिस्ट्स!

मुंबई , एजेंसी। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के प्रतिष्ठित सिंगिंग रियलिटी शो, इंडियन आइडल - सीज़न 13 को आखिरकार अपने टॉप 6 फाइनलिस्ट्स मिल गए हैं, जिन्होंने दर्शकों के साथ-साथ जजों - हिमेश रेशमिया और विशाल ददलानी को भी अपनी बेमिसाल परफॉर्मेंस से दीवाना बना दिया है। टॉप 6 कंटेस्टेंट्स में अयोध्या के ऋषि सिंह, कोलकाता की बिदिप्ता चक्रवर्ती, सोनाक्षी कर और देबोस्मिता रॉय, जम्मू-कश्मीर के चिराग कोतवाल और वड़ोदरा के शिवम सिंह अपनी सुरीली आवाज के साथ आखिरी बार मौसम म्यूज़िकाना बनाने के लिए तैयार हैं। इन टॉप 6 फाइनलिस्ट्स में से एक को ड्रीम फिनाले में इंडियन आइडल - सीज़न 13 का प्रतिष्ठित खिताब मिलेगा, साथ ही मारुति सुज़ुकी इंडिया द्वारा पेश की गई नई टेकी ब्रेज़ा भी भेंट की जाएगी। ऋषि सिंह बताते हैं कि कैसे उनके म्यूज़िक ने हमेशा इतने सारे लोगों के साथ एक सुर में पिरोया है। ऋषि कहते हैं, इंडियन आइडल ने मुझे एक बेहतर स्वरूप में निखारा है। कुछ भी ना होने से लेकर खुद की पहचान बनाने और ऐसा व्यक्ति बनने तक, जिससे लोग प्यार करते हैं, संगीत का ये सफर किसी रोलर कोस्टर राइड से कम नहीं रहा और मैं इसके लिए सभी का बेहद आभारी हूं।

काशीपुर एमएम महाविद्यालय, पुरुलिया में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के गुमनाम आदिवासी नायकों की गाथा विषय पर आयोजित हुई दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

जन जातियों का भारत की स्वतंत्रता में विशेष स्थान हैः डॉ. भूपेंद्र सुल्लेरे

भोपाल। काशीपुर माइकल मधुसूदन महाविद्यालय, काशीपुर, पुरुलिया में 28 और 29 मार्च, 2023 को ढ्ढष्टस्स्क्र नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित ÷इतिहास, साहित्य और प्रिंट मीडिया में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के गुमनाम जनजातीय नायकों की गाथा÷ पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। डॉ। सुशील सरकार, सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, संगोष्ठी के संयोजक रहे। संगोष्ठी में पधारे अतिथियों को संथाल जनजाति के कलाकार-छात्रों द्वारा लागरे नृत्य करते हुए सभागार में ले जाया गया। जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों की चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री सोमेन बेलथेरिया एवं अन्य अतिथियों ने फीता काटकर किया। दिनांक 28.03.2023 को प्रातः 11.00 बजे महाविद्यालय के सभागार में आयोजित उद्घाटन समारोह में केएमएमएम के प्राचार्य डॉ बिभाष कांत मंडल, केएमएमएम जीबी के अध्यक्ष श्री सौमेन बेल्थरिया, डॉ. संतोष कुमार सोनकर, एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी और एफ.एल. विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय,

अमरकंटक, डॉ. भूपेंद्र सुल्लेरे सहायक प्रोफेसर, अटल बिहारी बाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉ. अभय लियोनार्ड एक्का, सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बोधगया, डॉ. संगोष्ठी के संयोजक सुशील सरकार और केएमएमएम अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. कृष्णेंदु दास, महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ भजन दाना मंच पर उपस्थित थे। संगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कॉलेज के प्राचार्य ने स्वागत भाषण दिया। अपने उद्घाटन भाषण में, श्री सोमेन बेलथेरिया, अध्यक्ष जीबी, केएमएम महाविद्यालय ने कहा कि आदिवासी समुदाय सबसे पहले भारत में ब्रिटिश शासन का विरोध करने वाले थे। हमें उन्हें इतिहास में पर्याप्त स्थान देकर राष्ट्र के लिए उनके बलिदान को याद रखना चाहिए। संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन मंचासीन अतितिथियों द्वारा किया गया।

श्रीराम मंदिर गुरुबख्श की तलैया में भक्तिभाव से मनाई गई श्रीराम नवमी

भोपाल।आज राजधानी में श्रीराम नवमी भक्ति भाव से मनायी गई। घड़ी की तीनों सुइयो के मिलते ही दोपहर 12 बजे भये प्रकट दीन दयाला,जय श्रीराम की जयघोष के साथ राजधानी के ऐतिहासिक गौंडकालीन श्रीराम मंदिर गुरुबख्श की तलैया में मुख्य समारोह हुआ। आरती, बधाई गीतों के साथ भक्तो ने जय श्रीराम के जयकारे लगाये। आरती पश्चात नगर भंडारा शुरू हुआ। अध्यक्ष पं.ओम मेहता सहित पदा धिकारी, ट्रस्टीगण ने कार्यक्रम की शोभा बढाने पर भक्तो का आभार माना।

आम्रपाली के होम बायर्स के लिए गुड न्यूज, सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, जल्दी घर मिलने की उम्मीद बढ़ी

नोएडा, एजेंसी। आम्रपाली के हजारों होम बायर्स के लिए अच्छी खबर है। सुप्रीम कोर्ट ने आम्रपाली के प्रोजेक्टों में अतिरिक्त फ्लोर एरिया रेश्यो को मंजूरी दे दी है। कोर्ट ने इस बारे में नोएडा अथॉरिटी की आपत्ति को खारिज कर दिया। कोर्ट रिसीवर अगले 15 दिन में नया प्लान अथॉरिटी देंगे। इस पर अथॉरिटी अतिरिक्त एफएआर का अप्रूवल देगी। इस मामले पर फैसला करीब डेढ़ साल से कोर्ट में अटका हुआ था। इसकी वजह यह थी कि नोएडा अथॉरिटी बार-बार लगा इस पर आपत्ति जता रही थी। अतिरिक्त एफएआर से करीब 1,100 करोड़ के फंड का इंतजाम होगा जिसे आम्रपाली के अधूरे प्रोजेक्टों को पूरा करने में खर्च किया जाएगा। इससे अब चलता हुआ काम जारी रहेगा और बायर्स को उनके घर मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर आम्रपाली के प्रोजेक्ट्स को अब सरकारी कंपनी एनबीसीसी पूरा कर रही है। कोर्ट ने साथ ही एनबीसीसी को अनयूज्ड फ्लोर एरिया रेश्यो के बारे में प्रपोजल देने को कहा है। आम्रपाली के होमबायर्स अनयूज्ड एफएआर को बेचने और प्लॉट को बांटने की योजना का विरोध कर रहे थे।

अभी और बढ़ेगी लोन की किस्त! आरबीआई फिर रेपो रेट बढ़ाने की तैयारी में

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक की मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की अगले हफ्ते मीटिंग होने जा रही है। यह नए वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा होगी। इसमें प्रमुख नीतिगत दर रेपो में 0.25 प्रतिशत की और बढ़ोतरी कर सकता है। हालांकि, 2023-24 की तीसरी तिमाही के अंत में दरों में कमी करने का निर्णय लिया जा सकता है। एक्सिस बैंक के अर्थशास्त्रियों ने बुधवार को यह कहा। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक तीन से छह अप्रैल तक होगी। बैठक के नतीजों की घोषणा छह अप्रैल को होगी। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, आरबीआई के अधिकारियों ने मंगलवार को अर्थशास्त्रियों से मुलाकात की जिन्होंने केंद्रीय बैंक को दरों में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि करने का सुझाव दिया। आरबीआई ने महंगाई को काबू में करने के लिए मई, 2022 से नीतिगत दर रेपो में 2.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है।

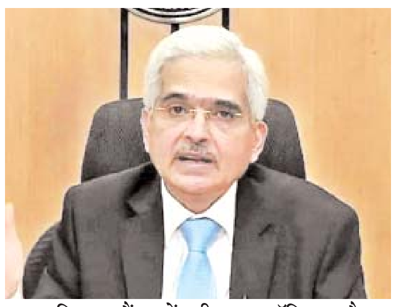

एक्सिस बैंक में चीफ इकनॉमिस्ट सौगात भट्टाचार्य ने कहा कि दरों में बढ़ोतरी करने से मूल महंगाई को काबू में लाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, 'मेरा अनुमान है कि दरें और 0.25 प्रतिशत तक बढ़ाई जा सकती हैं।' भट्टाचार्य ने कहा कि ग्रोथ में नरमी नजर आ रही है, इसके अलावा महंगाई के कुछ घटने से एमपीसी वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही के अंत तक दरों में कटौती कर सकती है। 'उदार रुख को छोड़ने' के आरबीआई के रुझान में परिवर्तन करना अभी जल्दबाजी होगा, यह कहते हुए उन्होंने अनुमान जताया कि केंद्रीय बैंक जून समीक्षा में अपने रुख को 'तटस्थ' कर सकता है। उन्होंने कहा कि वृद्धि में नरमी के संकेत मिल रहे हैं जिससे 2023-24 में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि छह प्रतिशत रह सकती है जो रिजर्व बैंक के 6.4 प्रतिशत के अनुमान से कहीं कम है।

कब होगी रेपो रेट में कटौती– उन्होंने आगे कहा कि 2023-24 की तीसरी तिमाही के अंत में जब ग्रोथ में नरमी और स्पष्ट हो जाएगी, महंगाई घटकर 5-5.50 प्रतिशत पर आ जाएगी तब आरबीआई दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर सकता है। इसके नतीजतन 2023-24 के अंत में प्रमुख नीतिगत दर 6.50 प्रतिशत पर होगी, यह वही स्तर होगा जो वित्त वर्ष के आरंभ में था।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटो जी13

यह शानदार फोन असाधारण, प्रीमियम डिजाइन, 128 जीबी स्टोरेज,लेटेस्ट एंड्रॉइड 13 तथा और भी अन्य खूबियों के साथ सिर्फ 9,999 रुपए की कीमत में फ्लिपकार्ट पर

नई दिल्ली, एजेंसी। मोटोरोला ने अपनी जी सीरीज की फ्रेंचाइजी में अपने नये स्मार्टफोन मोटो जी13 को लॉन्च करने की घोषणा की, जिसे बेहद किफ़ायती कीमत पर बेजोड़ एक्सपीरियंस के साथ प्रीमियम और मॉडर्न डिज़ाइन देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। स्मार्टफोन में ऐक्रेलिक ग्लास (पीएमएमए) की बॉडी तथा अल्ट्रा-थिन और प्रीमियम डिज़ाइन के फीचर्स मौजूद है। कैमरा हाउसिंग से शुरू करते हुए हर डिज़ाइन के डिटेल पर बड़ी ही बारीकी से ध्यान दिया गया है और बेहद सोच-समझकर तैयार किया गया है - एक्सपीरियंस करने को लेकर यह वाकई में बेहद आकर्षक है। इसकी स्लिम प्रोफाइल और लाइटवेट बॉडी इसे केरी करने में आसान बनाता है, साथ ही इसका वाइब्रेंट कलर भी इसे भीड़ से काफी अलग करता हैं। इसके अलावा, फ़िंगरप्रिंट सेंसर को फ़ोन के किनारे की तरफ पर रखा गया है जो कि इसे काफी एक्सेसिबल बनाने के साथ साथ इसे एक स्ट्रीमलाइन्ड लुक बनाए रखने में भी मदद करता है। मोटो जी13 में 4जीबी एलपीडीडीआर 4एक्स रैम के साथ मैसिव 128जीबी की स्टोरेज मौजूद है जो कि लेटेस्ट नियर स्टॉक एंड्रॉइड 13 के साथ आता है। मोटोरोला अपने सभी कंज्यूमर्स के लिए शानदार सॉफ्टवेयर एक्सपीरियंस करने को एंड्रॉइड 14 और 3 साल के सिक्योरिटी अपडेट के अपग्रेड का भी आश्वासन देता है। यह डिवाइस 64जीबी के स्टोरेज वैरिएंट में भी उपलब्ध है। मीडिया टेक हीलियो जी85 प्रोसेसर द्वारा संचालित, मोटो जी13 अपने पूर्ववर्तियों और सेगमेंट में मौजूद तमाम फोनों की तुलना में काफी फास्ट और अधिक एफिशिएंट है। इन सब के अलावा अब इसके गेमिंग या मल्टीटास्किंग के दौरान यूजर्स स्मूद और लैग-फ्री परफॉर्मेंस की उम्मीद कर सकते हैं। फोटोग्राफी के एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए मोटो जी13 में 50एमपी का क्वाड पिक्सल कैमरा सिस्टम है, जो कि आपको अविश्वसनीय रूप से शानदार एवं डिटेल्ड पिक्चर्स लेने की सुविधा देता है, जो कि आपके सोशल मीडिया हैंडल पर प्रदर्शित होने के लिए तैयार हैं।

भारत में डायरेक्ट सेलिंग उद्योग के विकास को गति दे रहे हैं टियर 2 एवं 3 शहर

मुंबई, एजेंसी। भारत के टियर 2 और टियर 3 शहरों में मजबूत पकड़ बना रहे उद्योगों में डायरेक्ट सेलिंग अहम भूमिका निभा रही है। भारत में सबसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में शुमार होने के नाते डायरेक्ट सेलिंग ने छोटे शहरों को इस कतार में आगे लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डायरेक्ट सेलिंग उद्योग के प्रयासों ने इन बाजारों में संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं, जिससे सभी के लिए, विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं के लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। उद्योग ने ज़मीनी स्तर पर वित्तीय आजादी के बीज बोकर सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को मजबूत करने में भी सहायता की है। इस संदर्भ में वेस्टीज मार्केटिंग प्राइवेटलिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री गौतम बालीने कहा, भारत तेज आर्थिक विकास का साक्षी हैऔरटियर-2 व टियर-3 शहर इस विकास में सुनामी के रूप में उभरे हैं, जो भारत की आर्थिक यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। देश की राजकोषीय वृद्धि उद्यमों के बढ़ने और सभी क्षेत्रों में कारोबार में समग्र सुधार से जुड़ी हुई है। मुख्य रूप से वेलनेस, न्यूट्रिशन और अन्य एफएमसीजी उत्पादों पर यह विकास टिका है। उपभोक्ता इम्यूनिटी बूस्टर, न्यूट्रिशनल सप्लीमेंट के साथ-साथ स्वच्छता से जुड़े उत्पादों के महत्व को समझ रहे हैं।

प्रो. अनीता पुरी बनीं जन परिषद की वूमेन विंग की प्रांतीय अध्यक्ष

छिंदवाड़ा । जन परिषदकी वूमेन विंग की अध्यक्ष पद्मश्री श्रीमती सुनील डबास एवं जन परिषद के प्रांतीय कोषाध्यक्ष महेंद्र जोशी की अनुशंसा पर संस्था के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी एन के त्रिपाठी ने प्रो. डॉ श्रीमती अनिता पुरी को जन परिषद के वूमेन विंग का प्रांतीय अध्यक्ष मनोनीत किया है। ज्ञात रहे जन परिषद राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक संस्था है, जो कि गत 34 वर्षों से सामाजिक एवम् रचनात्मक कार्यों में सक्रिय होने के साथ साथ, कई ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व संदर्भ ग्रन्थों का प्रकाशन कर चुकी है। संस्था पर्यावरण पर नौ अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित कर चुकी है। संस्था के इस समय पूरे देश में 200 से अधिक एवं विदेशो में 6 चैप्टर्स बन चुके हैं। संस्था प्रतिवर्ष उन व्यक्तियों को अलंकृत करती है जो कि रचनात्मक एवं सामाजिक सुधार के कार्यों को मूर्तरूप दे रहे हैं। संस्था का मुख्य आधार मानवीय , सामाजिक एवं राष्ट्रीय दृष्टिकोण है । सुश्री पुरी के इस मनोनयन पर कई गणमान्य नागरिकों ने बधाइयां प्रेषित की हैं।

विराट 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ 1 से 5 अप्रैल तक

छिंदवाड़ा । देवसंस्कृति विश्वविद्यालय प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पांड्या 3 एवं 4 अप्रैल को रहेंगे उपस्थित। आखिल विश्व गायत्री परिवार शान्तिकूंज हरीद्वार के मार्गदर्शन में विराट 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं प्राण प्रतिष्ठा समारोह 1 से 5 अप्रैल में संपन्न होने जा रहे आयोजन की तैयारिया पूर्णता की और हैं छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, बैतूल के लाखों परिजनों की पहुंचने की संभावना को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही है। इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी अरुण पराड़कर द्वारा बताया कि शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में महायज्ञ संपन्न होने जा रहा है जिसमे 30 एकड़ का भव्य यज्ञ शाला, आवास, प्रर्दशनी, विराट पुस्तक मेला ,भोजनालय की व्यवस्था की जा रही है जिसकी तैयारिया पूर्णता की और हैं ।

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के ईकेवाईसी के लिए जन अभियान परिषद कर रहा सहयोग

छिंदवाड़ा । जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक पवन सहगल एवं विकासखंड समन्वयक सुश्री वंदना राकेसिया के मार्गदर्शन में विकासखंड अमरवाड़ा में जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था प्रगति सोपान समिति के द्वारा मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के फॉर्म भरवाने एवं ईकेवाईसी करवाने के लिए सहयोग प्रदान किया जा रहा है। परामर्शदाता अंशुल जैन ने बताया कि अमरवाड़ा के सभी ग्राम पंचायत में जन अभियान परिषद की ग्राम प्रस्फुटन समिति बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू के छात्र नवांकुर संस्थाएं परामर्शदाता का सहयोग मिल रहा है अमरवाड़ा के वार्ड क्रमांक 8-12 और 13 के वार्ड वासियों के लिए आजाद वार्ड में शिविर लगाया गया है शिविर में वार्ड की महिलाओं के लाडली बहना योजना के फॉर्म भरे गए शिविर में जन अभियान परिषद नवांकुर संस्था प्रगति सोपान समिति परामर्शदाता एवं एमएसडब्ल्यू बीएसडब्ल्यू के छात्र का सहयोग मिल रहा है। इस अवसर पर नगर पालिका के योजना प्रभारी मनोज जैन गणेश राजपूत विपिन नामदेव जन अभियान परिषद के परामर्शदाता अंशुल जैन नवांकुर संस्था प्रगति सोपान समिति के रोहित यादव अमित नेमा चंदू राजपूत एवं वार्ड की महिलाएं मौजूद रहे।

5000 अप्रेंटिस की सेन्ट्रल बैंक में भर्ती

छिंदवाड़ा । सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया द्वारा 5000 अप्रेंटिस की भर्ती की जा रही है, आवेदक स्नातक एवं 20 से 28 वर्ष तक के हो। सेन्ट्रल बैंक के जनसम्पर्क अधिकारी ने बताया कि एस.टी., एस.सी, ओ.बी.सी एवं पी.डब्ल्यू.वी.डी आदि पर भारत सरकार के निर्देशन पर छूट उपलब्ध है, आन लाईन आवेदन की अन्तिम तिथि 3 अप्रैल होगी।

शिवधाम गरमेटा मंदिर में यज्ञशाला का हुआ भूमिपूजन

अमरवाड़ा । शिवधाम गरमेटा मंदिर में यज्ञशाला का भूमि पूजन सोमवार को बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ किया गया। सर्व विदित है कि मन्दिर का स्वर्ण कलश स्थापना आगामी समय मंदिर में होना है। जिसकी तैयारी के चलते आज यज्ञशाला का भूमि पूजन किया गया और निर्माण कार्य शुरू कराया गया। यज्ञशाला में मुख्य रूप से 11 ईटों की नीलामी की गई। अमरवाड़ा नगर के भक्तों ने नीलामी में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस राशि का यज्ञशाला निर्माण में उपयोग किया जाएगा। जिनका उल्लेख दान दाताओं के नाम के साथ यज्ञशाला के शिलालेख में भी किया जाएगा। भूमि पूजन पंडित विकास कुमार तिवारी साथ में संजय एवं राजेश तिवारी जी भी एवं उनके साथी द्वारा किया गया। इस मौके पर शिवधाम मंदिर समिति ने सभी का आभार एवं अभिनंदन प्रकट किया। वहीं मंदिर समिति ने अमरवाड़ा नगर की जनता से आह्वान किया कि इस पुनीत कार्य में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करें।

पंजीयनधारकों को पंजीयन की सलाह

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश माल एवं सेवा कर अधिनियम 2017 के अधीन रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति को मध्यप्रदेश वृत्तिकर संशोधन विधेयक 2018 के अनुसार वृत्तिकर अधिनियम के अन्तर्गत पंजीयन लेना अनिवार्य है । जिले के ऐसे पंजीयनधारक जिन्होंने आज दिनांक तक वृत्तिकर पंजीयन प्राप्त नहीं किया है, से अनुरोध किया गया है

रामनवमी पर्व पर दुल्हन की तरह सजा शहर, निकलेगी विशाल मोटरसायकल रैली

रैली में रामायण सीरियल के लक्ष्मण होंगे शामिल, जय श्रीराम के नारों से गूंजेगा शहर हिन्दु उत्सव समिति का आयोजन

छिंदवाड़ा। श्रीराम जन्मोत्सव पर आज शहर में विशाल मोटर सायकल वाहन रैली एवं रथयात्रा का भव्य आयोजन किया गया है। वाहन रैली दोपहर 12 बजे से श्री दादा जी धुनीवाले मंदिर चारफाटक से प्रारंभ हो कर शहर भ्रमण पश्चात दशहरा मैदान में सुंदरकांड, महाआरती एवं प्रसाद वितरण के बाद समापन होगा हिन्दु उत्सव समीति द्वारा श्री रामनवमी के पर्व पर शहर को भगवा तोरण, पताका एवं झंडों से सजाया गया है शहर राममय को गया है। शहर के प्रत्येक घर पर भगवा ध्वजा लहरा रहे हैं शहर के प्रमुख मार्गो पर आकर्षक विद्युत रोशनी से सजावट की गई है और स्वागत द्वार लगाए गए हैं शहर के समस्त होडिंग्स पर रामायण के प्रसंगों पर आधारित होर्डिंग पोस्टर लगाए गए हैं श्री राम नवमी पर पूरा शहर राममय हो गया है। आज रैली में जय श्रीराम के नारे गूर्जेंगे धारावाहिक रथ यात्रा में रामायण के लक्ष्मण सुनील लहरी शामिल होंगे। हिन्दु उत्सव समीति के अध्यक्ष हरिओम सोनी ने बताया कि इस बार श्रीराम जन्मोत्सव पर रैली में मुख्य आकर्षण का केन्द्र रामायण सीरियल में लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले सुनील लहरी रहेंगे श्रीराम जन्मोत्सव भव्य रूप में मनाया जाएगा।

रैली का नेतृत्व करेंगी मातृशक्ति

मोटरसायकिल और वाहन रैली का नेतृत्व मातृशक्ति द्वारा किया जाएगा मातृशक्ति इस आयोजन में ड्रेस कोड ऑरेंज साड़ी या परिधान के साथ उपस्थित रहेंगी रैली में शामिल होने के लिए पातालेश्वर, मोक्षधाम की तरफ से दादा धूनीवाले मंदिर पहुंचना होगा।

शहर के मठ मंदिर सजे होगी आतिशबाजी

वाहन रैली के अलावा शहर को भक्तीमय बनाने के लिए मठ मंदिरों को सजाया गया है, मंदिरों में प्रसाद एवं आतिशबाजी एवं भगवान श्रीराम दरबार की लैमिनेटेड फोटो वितरित की जाएगी। वाहन रैली के संचालन के लिए स्वयंसेवकों द्वारा व्यवस्था बनाई जाएगी जिसका पालन प्रत्येक भक्तों को करना होगा।

सांई मंदिर में होगा विशाल भंडारा

श्री सच्चिदानंद सेवा समिति, विवेकानंद कालोनी स्थित श्री शिर्डी सांई बाबा मंदिर में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री रामचंद्र जी के जन्मोत्सव के पावन पर्व रामनवमी के अवसर पर भव्य एवं दिव्य कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं । सच्चिदानंद सेवा समिति के कार्यक्रम सचिव आनंद बक्षी ने बताया कि, दिनाँक 30 मार्च दिन गुरुवार को प्रात: 5.30 बजे काकड आरती, प्रात: 6.30 बजे विशेष अभिषेक पूजन, प्रात: 9.30 बजे सुधीर पौराणिक के संचालन में साईनाथ जप, प्रात: 10.30 बजे आचार्य केशव पांडे द्वारा रामजन्म अध्याय का वाचन, दोपहर 12.00 बजे श्री रामजन्म एवं आरती, दोप. 12.30 बजे से दोपहर 3.30 बजे महाप्रसाद भंडारा, शाम 7.30 बजे बाबा की पालकी, तथा रात्रि 10.00 बजे शेज आरती के साथ इस समारोह का समापन होगा ।

लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत वसूली करने के निर्देश

छिंदवाड़ा । निगमायुक्त राहुल सिंह द्वारा निगम सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक आयोजित की गई बैठक में निगमायुक्त ने सर्वप्रथम राजस्व वसूली की समीक्षा की जिसमें सभी शाखा प्रभारियों को लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत वसूली करने के निर्देश प्रदान किए गए। संपत्ति कर की समीक्षा करते हुए निगमायुक्त राहुल सिंह ने उत्कृष्ट वसूली करने वाले वार्ड प्रभारी एवं सहायक राजस्व निरीक्षक की सराहना की जिसमें वार्ड नंबर 19 के रेखन सिंह सूर्यवंशी वार्ड क्रमांक 20 के रामनारायण कहार वार्ड क्रमांक 41 के विनोद चेचकर कर वार्ड क्रमांक 37 के दीपक चौहान वार्ड क्रमांक 2 के राजेश सूर्यवंशी वार्ड क्रमांक 3 के सुनील चौधरी एवं वार्ड क्रमांक 4 के सुशील युवनाती थी शामिल रहे। इसके साथ ही वार्ड प्रभारी ऋषभ स्थापक, अमित सारवान एवं धर्मेंद्र माहोरे की भी प्रशंसा की। निगमायुक्त ने लक्ष्य से कम वसूली पर वार्ड क्रमांक 8, 13,11, 28 एवं 27 के कर संग्रहकर्ताओ को अंतिम अवसर प्रदान करते हुए शत-प्रतिशत वसूली करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत निगमायुक्त ने समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा की जिसमें 1 माह से अधिक से लंबित प्रकरणों को तत्काल निराकरण करने के निर्देश शाखा प्रभारियों को प्रदान किए गए। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए निगमायुक्त ने सभी शिकायतों पर एक-एक करके समीक्षा की। बैठक में स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियो की समीक्षा करते हुए निगमायुक्त ने सभी सहायक यंत्री एवं उपयंत्रियों को शासन के मानक अनुसार कार्यवाही के निर्देश दिए। इसके साथ ही प्रतिदिन सफाई के निर्देश भी स्वास्थ्य अधिकारी को दिए। बैठक में निगमायुक्त राहुल सिंह, कार्यपालन यंत्री ईश्वर सिंह चंदेली, उपायुक्त कमलेश निरगुडकर सहित शाखा प्रमुख उपस्थित रहे।

छिंदवाड़ा जिले की 58 एमएसएमई इकाइयों के खाते में 46,279,806 रूपये की राशि का अंतरण

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को जिले में भी देखा और सुना गया

छिन्दवाड़ा । प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा आज सीएम आवास से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के अंतर्गत एस.एस.एम.ई.ईकाइयों को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से अनुदान राशि का खाते में अंतरण किया गया जिसमें जिले की 58 एम.एस.एम.ई. इकाईयों को उद्योग विकास अनुदान, ब्याज अनुदान व वेट/जीएसटी श्रेणी के अन्तर्गत वितरित 4 करोड़ 62 लाख 79 हजार 806 रूपये की राशि शामिल है । इस कार्यक्रम को जिला स्तर पर एन.आई.सी. कक्ष कलेक्ट्रेट में देखा और सुना गया। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र जी.के.हरणे ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा कार्यक्रम के दौरान एसएसएमई इकाईयों को संबोधित किया गया और प्रदेश की एमएसएमई क्लस्टर योजना व अन्य योजनाओं की जानकारी दी गई तथा मण्डीदीप, शहडोल, इन्दौर व ग्वालियर की एमएसएमई इकाईयों से चर्चा कर एमएसएमई के विकास के लिये सुझाव भी लिये गये । इस दौरान एन.आई.सी. कक्ष कलेक्ट्रेट में महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के साथ ही लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष श्री अनिल रघुवंशी, उपाध्यक्ष श्री वामन ठोंबरे, लघु उद्योग भारती की बोरगांव शाखा और बोरगांव औद्योगिक क्षेत्र की विभिन्न एमएसएमई इकाईयां उपस्थित थीं ।

रामनवमी महावीर जयंती हनुमान जयंती पर्व शांति एवं सदभावना पूर्वक मनाने लिया निर्णय

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा तहसील अंतर्गत शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र में रामनवमी महावीर जयंती हनुमान जयंती पर्व शांति एवं सद्भावना पूर्वक मनाए जाने के दृष्टिगत विचार-विमर्श के लिए अमरवाड़ा थाना प्रांगण में शांति समिति की बैठक अनुविभागीय पुलिस अधिकारी रविंद्र मिश्रा तहसीलदार छवि पंथ नगर निरीक्षक मोहन सिंह की उपस्थिति में सभी सदस्यों से चर्चा एवं 4 मार्च को प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी राम नवमी का पर्व पूर्व परंपराओं के अनुरूप शांतिपूर्वक तथा आपसी भाईचारे की भावना के साथ मनाया जाने की अपील की गई जिसमें आम पब्लिक को परेशानी ना हो साथ ही बैठक मैं सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय कापूर्ण रुप से पालन करने की अपेक्षा की गई 30 मार्च को दोपहर12 बजे मातेश्वरी मंदिर जगतदेव से जवारे एवं कलश यात्रा निकाली जावेगी जो नगरपालिका के बाजू में विसर्जन हेतु जाएगी द्य 3 बजे रामनवमी समिति के द्वारा बाइक रैली गंज बाजार से निकाली जाएगी जो पुलिस थाना होते हुए बस स्टैंड नई आबादी चौरई रोड बढ़ मोहल्ला राम मंदिर मैं समापन होगी रैली में निर्देशित किया गया कि लोहे के डंडों का किसी प्रकार का उपयोग रैली में नहीं किया जाएगा साफ सफाई की व्यवस्था रामनवमी पर्व के आयोजन स्थल एवं पर्व के दिन निकाले जाने वाले जुलूस के क्षेत्रों में विशेष रूप से साफ सफाई व्यवस्था ,टैंकर के माध्यम से पेयजल व्यवस्था ,नगर पालिका अमरवाड़ा द्वारा की जावेगी द्य विसर्जन स्थल पर ,बरात घर एवं अमराई मैं समुचित बैठने के लिए विछायत व्यवस्था छांव का प्रबंध नगर पालिका द्वारा किया जाएगा ।

महावीर जन्मकल्याणक पर होंगे साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

संत निवास में महोत्सव समिति के साथ महिला मण्डल की विशेष बैठक

छिन्दवाड़ा । शासन नायक तीर्थंकर महावीर भगवान के 2622 वें जन्मकल्याणक महोत्सव को लेकर इस वर्ष धर्म नगरी छिन्दवाड़ा की सकल जैन समाज के सभी घटकों सहित युवा संगठनों, महिला मंडलों, विविध पाठशालाओं के आबाल गोपाल सहित समस्त जिनशासन सेवकों में अपार उत्साह देखा जा रहा है।

सकल जैन समाज के सभी श्रावक - श्राविकाओं सहित युवक - युवतियां, बालक - बालिकाएँ अपनी अपनी तैयारी में लगे हुए हैं, सभी को प्रतीक्षा है श्री वीर प्रभु के मंगलकारी जन्मकल्याणक महोत्सव की। जिसे सभी मिलकर 2 एवं 3 अप्रैल को भक्ति भाव पूर्वक मनावेंगे।दो दिवसीय महोत्सव में होने वाले विविध अनुष्ठानों के साथ साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विधिवत रूपरेखा के लिए अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित संत निवास में महोत्सव समिति के साथ सकल जैन समाज के विविध महिला मण्डलों की विशेष बैठक संम्पन्न हुई जिसमे बड़ी संख्या में महिलाएं सम्मिलित हुई।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष महिला मण्डल एवं बालिका मण्डल जिनधर्म प्रभावना वाहन रैली में भारतीय परिधान में सम्मिलित होंगी साथ ही साहित्यिक कार्यकर्मो में रंगोली, महेंदी सहित अन्य प्रतियोगिताएं भी होगी। सांस्कृतिक कार्यकर्मो में श्री वीतराग विज्ञान पाठशाला एवं श्री उदार सागर पाठशाला के विद्यार्थी जन्मकल्याणक पर सुंदर नृत्यगान कर महोत्सव मनावेंगे साथ ही श्री वीर प्रभु के जन्मकल्याणक पर सौधर्म इंद्र की सभा भी लगेगी।रात्रि के समय सकल जैन समाज सहित महोत्सव समिति की विशेष बैठक संत निवास में संम्पन्न हुई जिसमें समस्त अनुष्ठानों की संम्पूर्ण रूपरेखा बनाई गई।

रोटरी क्लब द्वारा मेरा स्कूल स्मार्ट स्कूल के तहत शासकीय स्कूल में प्रदान की स्मार्ट टीवी

छिंदवाड़ा । रोटरी क्लब छिंदवाड़ा द्वारा मेरा स्कूल स्मार्ट स्कूल अभियान के अंतर्गत बुधवार 29 मार्च को शासकीय प्राथमिक शाला शिक्षक कॉलोनी (कृष्णा नगर) में स्मार्ट क्लास एवम डिजिटल क्लास हेतु स्कूल को स्मार्ट टीवी रोटरी क्लब अध्यक्ष रोटे मनोज अग्रवाल,सचिव रोटे विनोद तिवारी,कोषाध्यक्ष अरविंद अग्रवाल,सीनियर मेंबर अनिल गुप्ता, अशोक अग्रवाल,दीपक साहू ,दीपक खंडेलवाल,नीलेश लाठ ,नीलेश गुप्ता के हस्ते संस्था प्रधान पाठिका श्रीमती वीणा मसराम एवं शिक्षिका श्रीमती श्वेता शर्मा को प्रदान की गई ।जैसे ही स्मार्ट टीवी स्कूल को सौंपी बच्चो का खुशी से ठिकाना नहीं था अब उन्हें लग रहा था कि हम भी किसी बड़े प्रायवेट स्कूल की तरह स्मार्ट क्लास के माध्यम से और अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। एवं डिजिटल शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं ।स्मार्ट टी वी देते समय रोटरी क्लब अध्यक्ष ने कहा की ऐसे बच्चे जो झुग्गी बस्ती में रहते हैं और शासकीय स्कूल में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं उन्हें यदि डिजिटल शिक्षा के तहत स्मार्ट क्लास से शिक्षा मिले तो उनका भविष्य अवश्य ही उज्जवल होगा। यही प्रयास हम रोटरी परिवार ने किया है ।इस अवसर पर रोटरी क्लब सचिव विनोद तिवारी ने कहा की हमारे रोटरी क्लब 3040 के डिस्ट्रिक गवर्नर रोटेरियन जिनेन्द्र जैन जी की छिंदवाड़ा आधिकारिक यात्रा के दौरान इस स्कूल में उनके हस्ते पंखे प्रदान किए गए थे उस समय स्कूल के बच्चो का अच्छा शिक्षण स्तर देख कर डिस्ट्रिक गवर्नर प्रभावित हुए थे ।और उन्होंने स्कूल में बच्चो के लिए स्मार्ट टी वी देने की घोषणा की थी ।अपने संकल्प को पूरा करते हुए डिस्ट्रिक गवर्नर ने स्मार्ट टी वी पहुचाई जिसको विधिवत स्कूल प्रबंधक को आज हम लोगो द्वारा स्मार्ट टीवी सौपी गई ।रोटरी क्लब के पदाधिकारीयो ने कहा की इन बच्चो के चहरे पर आज खुशी दिख रही है इससे बड़ा सौभाग्य और कोई नही हो सकता । इन बच्चो को अच्छी शिक्षा मिले इस हेतु इन्हे शिक्षण संसाधन के रूप में स्मार्ट टी वी हम रोटरी क्लब की ओर से दे रहे है इससे बड़ा पुण्यार्थ कार्य और कोई नही हो सकता ।संस्था प्रमुख ने सभी रोटरी पदाधिकारीयो के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया।

शासकीय महिला आदिवासी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान विधिक जागरूकता कार्यक्रम

छिन्दवाड़ा । म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री जितेन्द्र कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आज शासकीय महिला आदिवासी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान छिंदवाड़ा में विधिक जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती सविता ओगले, जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया, प्रभारी प्राचार्य एन.आर.चंद्राकर, शिक्षकगण और प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे। जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती ओगले ने बताया कि कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री शर्मा ने कहा कि यदि आपके साथ कोई अपराध होता है तो उसे तत्काल जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों के संज्ञान में लाना चाहिये ताकि अपराधी को दण्ड दिलाया जा सके। उन्होंने कहा कि संविधान में हर नागरिक को मूल अधिकार प्रदान किये गये हैं और नागरिकों को उनके मौलिक कर्तव्य भी बताये गये हैं जिनका पालन प्रत्येक नागरिक को करना चाहिये, क्योंकि अधिकार और कर्तव्य एक सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने पाक्सो अधिनियम, म.प्र.अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, एसिड अटैक, महिलाओं के साथ होने वाले लैंगिक अपराध आदि के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी। जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती ओगले ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम 2005 की विस्तार से जानकारी दी गई।

मंदिर में हुई महाअष्टमी की पूजा कराया गया कन्याभोज

अमरवाड़ा । नगर के सिद्धपीठ जगत देव मातेश्वरी मंदिर में बुधवार को हवन पूजन का कार्यक्रम हुआ तदुपरांत महाआरती भी हुई। महाष्टमी की पावन बेला पर नगर सहित आसपास के बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त महा आरती में उपस्थित रहे। इसके तत्पश्चात मंदिर परिसर में कन्या भोजन का भी आयोजन कराया गया। गुरूवार को दोपहर 12 बजे मनोकामना ज्योति कलश की शोभायात्रा मंदिर परिसर से निकलते हुए महिलाएं अपने सर पर ज्योति कलश रखकर पैदल शहर भ्रमण करते हुए नगर पालिका के पीछे कुंडी में कलश विसर्जित की जाएगी। इस शोभायात्रा कार्यक्रम में नगर के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, नगरवासी सहित आसपास के श्रद्धालु भक्त बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे।

सरपंचों की अनिश्चितकालीन हड़ताल

परासिया सरपंच संघ ने जनपद सीईओ को दिया ज्ञापन

परासिया । दिन बुधवार 29 मार्च को परासिया सरपंच संघ ने जनपद सीईओ रविकांत उके को ज्ञापन देकर अनिश्चितकालीन हड़ताल में चले गए हैं। सरपंच संघ के प्रदेश अध्यक्ष निर्भय सिंह यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश के 23 हजार सरपंच अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। मध्य प्रदेश में सचिव और रोजगार सहायक हड़ताल पर है, अब सरपंच हड़ताल में चले जाने के कारण पंचायत के कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गए हैं। मध्यप्रदेश में 1993 में पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई थी व्यवस्था के अंतर्गत सरपंचों को व्यापक अधिकार और कर्तव्य सौपे गए थे । लेकिन मध्य प्रदेश की सरकार ने इस पंचायती राज व्यवस्था ने अनेक बदलाव की है, जिससे सरपंच ग्राम पंचायतों में समुचित विकास नहीं करा पा रहे हैं। प्रदेश सरपंच संघ ने 11 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश सरकार को अवगत करा दिया था, लेकिन 11 सूत्रीय मांगों पर अभी तक कोई निर्णय प्रदेश सरकार द्वारा सरपंचों के हित में नहीं लिया गया, इसलिए प्रदेश भर के सरपंच अब अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। परासिया सरपंच संघ के अध्यक्ष राजू पवार ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था को प्रदेश सरकार द्वारा धज्जियां उड़ाई जा रही है। सरपंचों को पंचायती राज के माध्यम से मिले अधिकारों का हनन हो रहा है ।सरपंच संघ के सचिव मोहन कहार ने कहा कि प्रदेश सरकार पंचायती राज अधिनियम व्यवस्था में बदलाव लाना चाहती है जिससे सरपंचों को ग्राम पंचायत स्तर पर दिए गए अधिकारो को सरकार छीन रही है । जिसे प्रदेश के सरपंच गण ऐसा नहीं होने देंगे। प्रदेश शासन द्वारा 15 वे वित्त आयोग की राशि में टाइट, अनटाइट के नियम लागू होने से पंचायत में विकास कार्य अवरुद्ध हो रहे हैं। इसके अलावा मनरेगा, पीएम आवास योजना मे बदलाव किए जाने से सरपंच परेशान हैं। सरपंचो द्वारा पंचायत की मासिक बैठक और ग्राम सभा के प्रस्ताव अनुसार निर्माण कार्य कराने में सफल नहीं हो पा रहा है, इन सभी समस्याओं को लेकर प्रदेश अध्यक्ष सरपंच संघ के नेतृत्व में जनपद पंचायत परासिया के सरपंच भी अनिश्चितकालीन हड़ताल में चले गए हैं। जनपद सीओ को ज्ञापन देने वाले सरपंचों में अरुण कुमार नवेद, भारती उइके, चित्र डेहरिया, अखिलेश कुमरे ,रामखिलावन, सावित्री पवार,गणेश विश्वकर्मा,सुप्रिया पंदराम, सुदामा धुर्वे ,दीपिका बेलवंशी, जय कुमार पवार ,तुलसराम उइके, राधा कवरेती, पार्वती डेहरिया,पुनाराम उइके, रिंकू डेहरिया ,गीता कुडोपा, सतीश सूर्यवंशी ,लक्ष्मी भलावी, कुसमा मस्कोले, संतलाल कहार ,मिथिला अंगारे, सीमा धुर्वे, सहित अन्य सरपंच गण ने ज्ञापन सौंपा है

दिव्यनगर गुड़ी ने चढ़ाई 21 मीटर की चुनरी माता हिंगलाज को

चुनरी यात्रा का हुआ जगह-जगह स्वागत

जुन्नारदेव गुडी अंबाड़ा । दिव्यनगर गुड़ी क्षेत्र के भक्त जनों ने 21 मीटर की चुनरी माता हिंगलाज को चढ़ाई इस दौरान निकली इस चुनरी यात्रा का जगह-जगह स्वागत हुआ इस दौरान भक्तजन जहां माता के जयकारे लगा रहे थे वहीं दर्जनों भक्त डीजे की धुन पर नाच रहे थे ज्ञात रहे कि वर्तमान समय नवरात्र का है इस दौरान भक्तजन उन्हीं कार्यों को कर रहे हैं जिस पर माता प्रसन्न हो जाए एवं आशीर्वाद प्रदान कर दें इस दौरान भक्त प्रात: स्नान कर मंदिरों में जा जहां पूजा अर्चना कर रहे हैं वहीं कई गांव के लोग चुनरी भी चड़ा रहे हैं

21 मीटर चुनरी चढ़ाइ

इसी कार्यक्रम में दिव्य नगर गुड़ी के भक्तजन गत 27 मार्च को शाम 5:00 बजे कामेश्वर महादेव मंदिर से 21 मीटर चुनरी माता हिंगलाज को चढ़ाने निकली इस दौरान चुनरी को हनुमान दफाई माता मंदिर ले गए जहां भक्तों ने पूजा पाठ की

भक्तजन नाचते रहे

सनद रहे कि जब क्षेत्र से हिंगलाज मंदिर जाने चुनरी यात्रा रवाना हुई तो उस दौरान भक्तजन जहां माता के जयकारे लगाते रहे वहीं दर्जनों भक्त बज रहे डीजे की धुन पर नाचते रहे

जगह-जगह हुआ स्वागत

दिव्यनगर गुढ़ी से निकली यह चुनरी यात्रा जब मां हिंगलाज के दरबार पहुंची तो इस दौरान इस चुनरी यात्रा का जगह-जगह स्वागत हुआ।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

सशक्त महिला, सशक्त परिवार, सशक्त समाज, सशक्त प्रदेश, सशक्त देश

महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण तथा आर्थिक स्वावलम्बन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

सहभागिता दर में ग्रामीण क्षेत्र अन्तर्गत जहां 57.7 प्रतिशत पुरूष भागीदारी है वही मात्र 23.3 प्रतिशत महिलाओं की श्रम बल में भागीदारी है। इसी प्रकार शहरी क्षेत्र में 55.9 प्रतिशत पुरूषों के विरूद्ध केवल 13.6 प्रतिशत महिलाओं की श्रम बल में भागीदारी रही है। इससे स्पष्ट है कि महिलाओं की श्रम में भागीदारी पुरूषों की अपेक्षा कम है जो उनकी आर्थिक स्वावलम्बन की स्थिति को प्रभावित करता है। उपरोक्त परिदृश्य को दृष्टिगत रखते हुये प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक स्वालम्बन उनके तथा उन पर आश्रित बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत सुधार तथा परिवार में उनकी निर्णायक भूमिका सुदृढ़ करने हेतु माननीय मुख्यमंत्री जी, मध्यप्रदेश शासन द्वारा दिनांक 28 जनवरी 2023 को सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' लागू किये जाने की घोषणा की जिसके अंतर्गत प्रतिमाह 1000 रूपए महिलाओं को दिए जायेगे। यह महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण तथा आर्थिक स्वावलम्बन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। योजना के क्रियान्वयन से न केवल महिलाओं एवं उन पर आश्रित बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति में सुधार परिलक्षित होगा वरन् महिलायें अपनी प्राथमिकता के अनुसार व्यय करने हेतु आर्थिक रूप से पहले की अपेक्षा अधिक स्वतंत्र होगीं। महिलायें प्राप्त आर्थिक सहायता से न केवल स्थानीय उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर स्वरोजगार/आजीविका के संसाधनों को विकसित करेंगी वरन् परिवार स्तर पर उनके निर्णय लिये जाने में भी प्रभावी भूमिका का निर्वहन कर सकेंगी।

समग्र - आधार e-KYC की आवश्यकता क्यो ?

e-KYC का मतलब - समग्र आईडी के साथ आधार की जानकारी का मिलान करवाना।

समग्र- आधार e-KYC से लाभ

- योजना का सरलीकरण
- महिला के मध्य प्रदेश के स्थानीय निवासी होने के निर्धारण का आधार
- ई-केवाई e-KYC सी होने से आधार समग्र से लिंक हो जाएगा, जिससे समग्र की डुप्लिकेसी खत्म होगी
- परिणामस्वरूप पात्र महिलाएं ही योजना में लाभ हेतु आवेदन कर सकेंगी

यदि आपकी समग्र e-KYC नहीं है तो

- बहने अपने पास के किसी भी राशन की दुकान, एमपी ऑनलाइन सेंटर, सीएससी कियोस्क में जाकर अपनी समग्र e-KYC करवा सकती हैं ।
- इसके लिए बहनों को कोई भी राशि नहीं देना होगा, सरकार प्रत्येक e-KYC के लिए सीधे कियोस्क को 15 रुपए दे रही है ।

आधार लिंक, डीबीटी सक्रिय व्यक्तिगत बैंक खाता क्यो आवश्यक ?

- आधार लिंक, डीबीटी सक्रिय व्यक्तिगत बैंक खाता क्यो आवश्यक ?
- योजना में आधार के माध्यम से भुगतान प्रक्रिया (डीबीटी) अपनायी गयी है, क्योकि इस प्रक्रिया में भुगतान असफल होने की दर न्यूनतम है
- स्वयं के आधार लिंक तथा डीबीटी सक्रिय बैंक खाते में भुगतान होने से पैसा सीधे बहनों के हाथ में जाएगा
- बहने परिवार की आवश्यकतानुसार राशि का उपयोग करने हेतु स्वतंत्र होंगी
- बहनों के हाथ में पैसा आयेगा तो परिवार के निर्णय में उनको महत्व मिलेगा
- लाभ मिलने से बहने अपने स्तर से छोटे-छोटे व्यवसाय शुरू कर सकेंगी जो उन्हे आर्थिक रूप से स्वालंबी बनाएगा ।

D-13559/22

महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्य प्रदेश शासन